www.navpradesh.com

दैनिक **नवप्रदेश**

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | अभिव्यक्ति 4 | छत्तीसगढ़ 6 | आंचलिक 7 | देश-विदेश

RNI NO.CHHHIN/2015/62431 बिलासपुर, मंगलवार 14 जून 2022, शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, विक्रम संवत-2078 वर्ष-08 अंक-62 पृष्ठ-08 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

//-- सुविचार --//

मनुष्य को अपने लक्ष्य में कामयाब होने के लिए खुद पर विश्वास होना बहुत ज़रूरी है।

आज बेबाक

हिंसा की आग में राजनीतिक दल रोटियां न सेकें ऐसा भला कैसे हो सकता है? अब तो दंगा समर्थक दल रोटियां सेकने के साथ अपनी दाल भी गलाने लगे है। भले ही देश झुलसे या जले मगर उनकी दुकानदारी चलनी चाहिए। आग पर पानी डाल कर उसे बुझाने के बदले उसमें पेट्रोल डाकलर और धधकाने वाले इन दंगाजीवि नेताओं की पहचान कर उनका भी हुक्का पानी बंद करने के लिए कड़े कदम उठाने की सख्त जरूरत है। जो भी दंगाईयों की पैरोकारी करे और उनके खिलाफहोने वाली कार्यवाही का विरोध करे उसके विरूद्ध भी कठोर कार्यवाही होनी चाहिए।

सूर्योदय

उदय : 5.44 प्रात:

अस्त : 7.09 संध्या

जनसंख्या

विश्व : 7,953,627,300

भारत : 1,406,929,627

बाजार

संसेक्स : 52846.70

निफ्टी : 15774.40

गोल्ड : 52,760 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 61,500 प्रति किग्रा

अण्डा दर : 4.92 प्रति नग

प्रदेश का मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रायपुर	39.2	27.6
बिलासपुर	43.4	30.4
जगदलपुर	38.0	24.1
अंबिकापुर	38.6	26.3

आज का दिवस

विश्व रक्तदान दिवस: विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 14 जून को 'रक्तदान दिवस' मनाया जाता है। वर्ष 1997 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 100 फीसदी स्वैच्छिक रक्तदान नीति की नींव डाली है। वर्ष 1997 में संगठन ने यह लक्ष्य रखा था कि विश्व के प्रमुख 124 देश अपने यहां स्वैच्छिक रक्तदान को ही बढ़ावा दें। उद्देश्य यह था कि रक्त की ज़रूरत पड़ने पर उसके लिए पैसे देने की ज़रूरत नहीं पड़नी चाहिए, पर अब तक लगभग 49 देशों ने ही इस पर अमल किया है। तंजानिया जैसे देश में 80 प्रतिशत रक्तदाता पैसे नहीं लेते, कई देशों जिनमें भारत भी शामिल है, रक्तदाता पैसे लेता है। ब्राजील में तो यह क़ानून है कि आप रक्तदान के पश्चात् किसी भी प्रकार की सहायता नहीं ले सकते। ऑस्ट्रेलिया के साथ साथ कुछ अन्य देश भी हैं जहां पर रक्तदाता पैसे बिलकुल भी नहीं लेते।

सामाजिक 'न्याय' की कसौटी पर सीएम भूपेश की भेंट-मुलाकात

पत्थलगांव से यशवंत धोटे

रायपुर/नवप्रदेश। अब होगा 'न्याय' की अवधारणा लिए बम्पर जनादेश के साथ सत्ता में आए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की जनता से राज्यव्यापी भेंट-मुलाकात अब सामाजिक न्याय की कसौटी पर कसी जाने लगी है। इसे हम पूर्ववर्ती सरकार के 'तिहार' और 'टूलकिट' का जवाब मान सकते हैं लेकिन धरातल पर दिखते इस सामाजिक न्याय के प्रकल्प का कोई जवाब नहीं है। तीसरे चरण की इस भेंट-मुलाकात के दौरान दैनिक नवप्रदेश समाचार पत्र समूह 28 घंटे साक्षी रहा। जनता की चौपाल से आने वाले सवालों की बौछार और जवाब में मिलने वाली सौगातें, गैर जिम्मेदारों को मिलने वाली फटकारे यह बताने के लिए काफी हैं कि लीक से हटकर इस भेंट-मुलाकात की अवधारणा जिसकी भी हो, बेहतर है। शिक्षा, स्वास्थ, रोजी, रोजगार, गांव, गरीब, किसान, गोबर, गौठान, महिलाओं, बच्चों, खेतिहर मजदूरों से जुड़े मसलों को लेकर होने वाले परस्पर संवाद और उससे निकलते परिणाम ही सामाजिक न्याय की गाथा कहते हैं। पहला पड़ाव जशपुर जिले के पत्थलगांव ब्लाक

का बटईकेला गांव। पहले शिव मन्दिर में पूजा-अर्चना फिर पेड़ की टहनियों के मंडप में तखत पर बैठे मुख्यमंत्री का बिना किसी औपचारिकता के सवाल-जवाब। जिन किसानों के कर्ज माफ हुए हैं हाथ उठाएं। 90 फीसदी हाथ उठने के बाद जिन लोगों के हाथ नहीं उठते उनसे खेती किसानी की पाठशाला जैसे संवाद होते हैं इसलिए प्रभारी मंत्री उमेश पटेल को जनता से संवाद के दौरान बताना पड़ता है कि हमारा मुख्यमंत्री कोई कलेक्टर या डॉक्टर नहीं वह किसान है इसलिए किसानी की इतनी बारीकी से पतासाजी करता है। बाकि बाते आप स्वंय ही देख रहे हो। भूमिहीन खेतीहर मजदूरों को दी जाने वाली सालाना 7 हजार रुपए की सहायता राशि के सवाल कुछ असहज करते रहे लेकिन मंडप में मौजूद प्रशासनिक लाव लश्कर के मुखिया ने सीएम को आश्वस्त कराया कि श्रमिकों से प्राप्त आवेदनों पर कार्रवाई हो रही है। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के उद्यमी बनने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीडीपी में उनके योगदान की कहानियां इस भेट-मुलाकात को और अधिक उत्साहित कर रही है। 3 एकड़ की महिला काश्तकार मुक्तिदेवी ने 80 हजार का धान बेचा और राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत प्राप्त अतिर्कित राशि से ट्रैक्टर खरीदने की सोच रही है। कमोबेश इसी तरह की अन्य ग्रामीण महिलाओं का हाल है। शिक्षा के मामले में सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट स्वामी आत्मानंद स्कूल के प्रति ग्रामीणों के जिजीविषा का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि एक पिता अपने बच्चे को इस स्कूल में पढ़ाने के लिए 22 किलोमीटर साइकिल से लाना ले जाना कर रहा है। मुख्यमंत्री से मिलने आई टापर साक्षी कुशवाह आईएएस बनना ■ शेष पृष्ठ 6 पर

राहुल से ईडी ने घंटों की पूछताछ विरोध में कांग्रेस का देशभर में प्रदर्शन

लंच ब्रेक के बाद मां सोनिया से मिलने अस्पताल पहुंचे

■ दिल्ली में छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश, गहलोत, दिग्गी, रावत समेत कई नेता गिरफ्तार

नई दिल्ली/नवप्रदेश। नेशनल हेराल्ड केस में सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से करीब 3 घंटे तक पूछताछ की। इसके बाद दोपहर करीब तीन बजे लंच ब्रेक हुआ और राहुल सीधे सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती सोनिया गांधी से मिलने पहुंचे। उनके साथ प्रियंका गांधी भी थीं। करीब 40 मिनट बाद राहुल वापस ईडी के दफ्तर लौटे। शाम साढ़े 6 बजे तक उनसे पूछताछ जारी था। इससे पहले राहुल सुबह ■ शेष पृष्ठ 6 पर

स्मृति ईरानी ने कांग्रेस पर किया वार

नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से ईडी अधिकारियों की पूछताछ मामले में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा, एक जांच एजेंसी पर दबाव डालने के लिए कांग्रेस ने वरिष्ठ नेताओं को विशेष तौर पर आमंत्रित किया है। जो बेल पर हैं उन्होंने घोषणा की है कि आओ दिल्ली को घेरो, क्योंकि हमारा भ्रष्टाचार पकड़ा गया है। कांग्रेस की इस रणनीति को आप क्या नाम देंगे? स्मृति ईरानी ने कहा, समाज की सेवा के लिए एक कंपनी बनाई जाती है, लेकिन वो कंपनी केवल गांधी परिवार की सेवा तक सीमित हो जाती है।

नफरत और डर की राजनीति को जनता तक पहुंचाएंगे : भूपेश

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सुबह 10 बजे ही दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय पहुच गए थे। वहां प्रेस से बात करते हुए उन्होंने कहा, केंद्र सरकार, सरकारी संस्थाओं के माध्यम से कांग्रेस के नेताओं को डराने की कोशिश कर रही है। हम डरने वाले नहीं हैं। कांग्रेस के कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर केंद्र की सरकार द्वारा की जा रही नफरत और डर की राजनीति को जनता तक पहुंचाएंगे। कांग्रेस, केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाई गई महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को आम जनता तक पहुंचाएगी। सीएम बघेल को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री के सुरक्षा अधिकारियों के साथ दिल्ली पुलिस की तीखी नोकझोंक भी हुई।

रायपुर में ईडी दफ्तर के बाहर हंगामा

राहुल गांधी के समर्थन में कांग्रेस ने रायपुर में भी प्रदर्शन किया है। पचपेड़ी नाका के पास पुजारी पार्क स्थित प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय के बाहर कांग्रेस ने खूब हंगामा किया। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष मोहन मरकाम की अगुवाई में कांग्रेस नेता 11 बजे के बाद टिकरापारा के पास पुजारी पार्क पहुंचे। वहां सड़क की दूसरी तरफ पंडाल में बैठकर नेताओं ने सत्याग्रह शुरू किया। दूसरी तरफ पुजारी पार्क परिसर के बाहर पुलिस ने सुरक्षा घेरा बना रखा था। दोपहर 12.30 बजे के बाद सत्याग्रह पर बैठे नेताओं ने उठकर पुजारी पार्क परिसर की ओर कूच कर दिया। पुलिस ने वहां बैरिकेड कर उनका रास्ता रोका। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने यहां बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की। प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम ■ शेष पृष्ठ 6 पर

हिरासत में लिए गए नेताओं से मिलने पहुंचीं प्रियंका

पुलिस ने राहुल गांधी के साथ ईडी ऑफिस जा रहे नेताओं को हिरासत में ले लिया। इनमें छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत और कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला, मल्लिकार्जुन खड़गे, जयराम रमेश, मुकुल वासनिक, दीपेंद्र हुड्डा, पवन खेड़ा, पीएल पूनिया, गौरव गोगोई, मीनाक्षी नटराजन, अधीर रंजन समेत कई नेता शामिल हैं। प्रियंका गांधी ने तुगलक रोड पुलिस स्टेशन पहुंचकर इन नेताओं से मुलाकात की।

राहुल का रेस्क्यू : सीएम ने ग्रीन कॉरीडोर बनाने के दिए निर्देश

जांजगीर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में बोरवेल के लिए खोदे गए गड्ढे में फंसे राहुल तक पहुंचने के लिए टनल बनाने का काम जारी है। बीच-बीच में चट्टान बाधा बन रही है। इसे देखते हुए बिलासपुर से मशीन मंगवाई गई है। हालांकि राहुल की सुरक्षा और मिट्टी धसकने के डर को देखते हुए काम की स्पीड कम है। इधर, एक बार फिर से रस्सी लेकर भी एनडीआरएफ बच्चे को निकालने के प्रयास में है। इधर, रेस्क्यू के मद्देनजर मेडिकल स्टाफ पूरी तैयारी के साथ अलर्ट मोड पर आ गया है। ऑक्सीजन, मास्क के साथ ही स्ट्रेचर की व्यवस्था की गई है। मेडिकल स्टाफ की कोशिश है कि जैसे ही राहुल को बाहर लाया जाए। वैसे ही उसका हेल्थ चेकअप किया जाए। हेल्थ चेकअप के बाद उसे तुरंत ही एंबुलेंस से बिलासपुर के अपोलो अस्पताल ले ■ शेष पृष्ठ 6 पर

रेस्क्यू में पूरा गांव शामिल

रेस्क्यू के दौरान गड्ढे में पानी रिस रहा था। जिसे बाल्टी-बल्टी से निकाला जा रहा था। मगर वह ज्यादा देर तक संभव नहीं था। इसलिए कलेक्टर के निर्देश पर पिहरीद गांव में जल स्तर को कम किया जा रहा है। जिससे की उस गड्ढे में पानी का रिसाव नहीं हो। गांव के सभी बोर को चालू करा दिया गया। वहीं गांव के 2 स्टाप डैम है। जिसे बंद करा दिया गया है। राहुल के बचाव अभियान में अब गांव पिहरिद का हर नागरिक जुड़ गया है। आम लोग गांव में लगे सभी हैण्डपम्प से पानी निकालने लगे जिससे कि बोरवेल में पानी का स्तर कम रहे। राहुल के बचाव अभियान में हर वर्ग की प्रार्थना शामिल है।

जगदलपुर में अनिश्चितकालीन रेल रोको आंदोलन 15 से

जगदलपुर (वार्ता)। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में यात्री रेल सुविधा के विस्तार और बंद पड़ी रावघाट जगदलपुर रेल लाईन परियोजना का कार्य अतिशीघ्र प्रारंभ को लेकर रेल लाईन आंदोलन से जुड़े सदस्यों के द्वारा आगामी 15 जून से जगदलपुर रेलवे स्टेशन में अनिश्चितकालीन रेल रोको आंदोलन किया जाएगा।

इस संबंध में ईस्ट-कोस्ट रेलवे वाल्टेयर रेल मंडल के डीआरएम अनुप कुमार सतपथी के नाम कल एक ज्ञापन एसएमआर एमआर नायक को सौंपा गया। ज्ञापन में जगदलपुर को रायगढ़ा नए रेल डिविजन में ट्रांसफर का पूरजोर विरोध करते इसे विशाखापटनम डिविजन में यथावत रखने की मांग की गई है।

एसएमआर श्री नायक ने रेल लाइन आंदोलनकारियों के द्वारा सौंपे गए रेल आंदोलन मेमोरंडम की पुष्टि की है। उन्होंने तत्काल इसकी जानकारी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

कांग्रेस के प्रदर्शन पर पूर्व सीएम डॉ. रमन ने कसा तंज

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर और दिल्ली में हुए कांग्रेसियों के विरोध प्रदर्शन पर भारतीय जनता पार्टी के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने तंज कसा है। डॉ रमन सिंह ने कहा कि आश्चर्य होता है गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के दौरान नरेंद्र मोदी को भी ईडी ने तलब किया था। तब 9 घंटे तक पूछताछ हुई थी, तब कांग्रेसियों की तरह मेला-ठेला और भीड़भाड़ लेकर कोई प्रदर्शन नहीं ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज महाराष्ट्र दौरे पर मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 14 जून को महाराष्ट्र के दौरे पर रहेंगे। कार्यक्रम के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबसे पहले पुणे जाएंगे। जहां पीएम पौने दो बजे देहू, पुणे में जगद्गुरु श्रीसंत तुकाराम महाराज मंदिर का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे मुंबई के लिए रवाना होंगे और यहां सवा चार बजे राजभवन मुंबई में जय भूषण बिल्डिंग एंड गैलरी ऑफ रिवॉल्यूश्नरीज का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद शाम छह बजे मुंबई समाचार के द्विशताब्दी समारोह में हिस्सा लेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन बांद्रा कुर्ला कांप्लेक्स में रखा गया है। इस दौरान महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे भी मंच पर मौजूद रहेंगे। पीएम के दौरे को लेकर महाराष्ट्र में हाई अलर्ट जारी किया गया है। मुंबई में आने वाले वाहनों की तलाशी ली जा रही है। संदिग्ध वाहनों और लोगों की सख्ती से तलाशी भी ली जा रही।

बूस्टर डोज बेहद जरूरी, बोले डब्लूएचओ के टॉप साइंटिस्ट

नई दिल्ली (ए.)। कोरोना महामारी अभी खत्म नहीं हुई है। यह हर 4-6 महीने में एक बार सिर उठाती है। WHO के चीफ साइंटिस्ट सौम्य स्वामिनाथन ने कहा है कि सभी देशों के लिए जरूरी है कि वे अपने नागरिकों को वैक्सीन की बूस्टर डोज दिलवाएं। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से ज्यादा उम्र वाले लोगों को तीसरी डोज लगनी बहुत जरूरी है। बूस्टर शॉट पर जोर देते हुए आईसीएमआर के पूर्व प्रमुख ने कहा, 'जिन लोगों में संक्रमण की आशंका ज्यादा है उनके लिए बूस्टर शॉट बहुत ही जरूरी है।'

भारत में फिर बढ़ रहा कोरोना

उन्होंने कहा, हर 4 से 6 महीने में देखा जा रहा है कि संक्रमण बढ़ता है। भारत में भी इन दिनों लगातार संक्रमण बढ़ने लगा है। जून ■ शेष पृष्ठ 6 पर

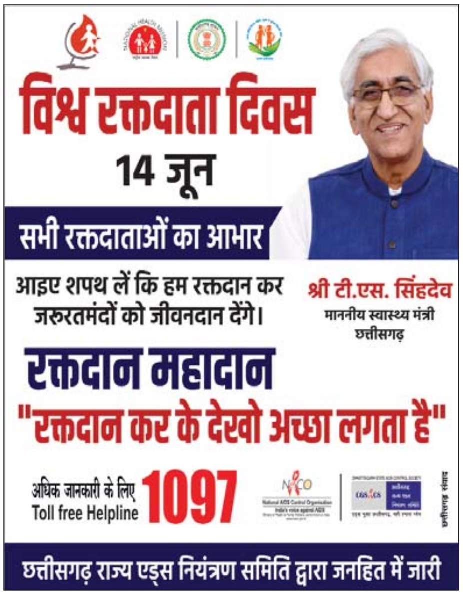

गरमा-गरम

'प्रयागराज में बुल्डोजर की कार्रवाई गैरकानूनी है'

इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने उठाए सवाल

लखनऊ (वार्ता)। यूपी के प्रयागराज में शुक्रवार को हुए पथराव के बाद इस घटना के कथित मास्टरमाइंड मोहम्मद जावेद के करेली स्थित मकान को प्रशासन ने बुल्डोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। अब इस कार्रवाई को लेकर कई तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। बता दें कि देश में प्रशासन द्वारा बुल्डोजर की कार्रवाई को लेकर मुद्दा तीन अदालतों, सुप्रीम कोर्ट, इलाहाबाद उच्च न्यायालय और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में चुनौती के अधीन है।

प्रयागराज प्रशासन की कार्रवाई को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने अवैध बताया है। उन्होंने कहा कि यह कानून के शासन पर एक सवाल है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर ने रविवार को द इंडियन एक्सप्रेस को बताया, ये पूरी तरह से गैरकानूनी है। भले ही आप एक ■ शेष पृष्ठ 6 पर

नूपुर शर्मा को कोलकाता पुलिस ने जारी किया नोटिस

कोलकाता (ए.)। पैगंबर मोहम्मद पर विवादित बयान देने वाली नूपुर शर्मा को कोलकाता पुलिस ने नोटिस जारी किया है। पुलिस ने शर्मा को 20 जून को पूछताछ के लिए बुलाया है। भाजपा की निष्कासित प्रवक्ता के खिलाफ पूर्वी मेदिनीपुर में रविवार को FIR दर्ज हुई थी।

पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में रविवार शाम पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ भाजपा के पूर्व प्रवक्ताओं की विवादित टिप्पणियों को लेकर कुछ लोगों ने बेथुआडहरी स्टेशन पर लोकल ट्रेन पर हमला किया और उसे नुकसान पहुंचाया। पूर्वी रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि हमले में स्टेशन के कुछ कर्मचारी और कृष्णानगर-लालगोला लोकल ट्रेन के यात्री ■ शेष पृष्ठ 6 पर

संपादकीय

बंगाल में फिर बवाल

भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता रही नुपूर शर्मा के विवादास्पद बयान के विरोध में देश के 14 राज्यों में बवाल मचा था। उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में दंगा भड़काने की साजिश की गई थी जो प्रशासन की सतर्कता के चलते विफल हो गई। दंगाईयों के खिलाफ संबंधित राज्य सरकारों ने कार्यवाही भी शुरू कर दी है जिसके बाद किसी भी राज्य में कोई उत्पात नहीं मच रहा है लेकिन बंगाल में लगातार दो दिनों तक हिंसा की घटनाएं होना बंगाल की राज्य सरकार को सवालों के कटघरे में खड़ा करता है। हावड़ा और मुर्शिदाबाद में दो दिनों तक जमकर बवाल हुआ। लोगों की दुकाने लूट ली गई, अगजनी की घटनाएं हुई और पुलिसवालों पर भी जमकर पत्थर चले। इन घटनाओं पर रोक लगाने की जगह बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने बंगाल में मचे बवाल के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहरा दिया है। उनका आरोप है कि भाजपा बंगाल में अशांति फैला रही है। इसे ही कहते है उल्टा चोर कोतवाल को डांटे। बंगाल के बारे में सबको पता है कि वहां बगैर ममता बेनर्जी के इशारे के पत्ता भी नहीं हिलता। बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान वहां जो हिंसा हुई थी और चुनाव जीतने के बाद भी बंगाल इस हिंसा की आग में जला था उसे सारे देश ने देखा है। बंगाल में कानून और व्यवस्था की स्थिति लगातार बद से बदतर होती जा रही है। यही वजह है कि बंगाल के भाजपाई वहां राष्टपति शासन लगाने की मांग करने लगे है। दरअसल किसी भी मुद्दे को लकर जब हिंसा की आग सुलगती है तो कुछ राजनीतिक पार्टियां इस आग में अपने लिए राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम शुरू कर देती है। जिन पर यह जिम्मेदारी होती है कि वे कानून और व्यवस्था की स्थिति को संभाले वे ही उसे बिगाड़ने में लग जाते है और हिंसा की आग को बुझाने के नाम पर आग में पानी डालने की जगह पेट्रोल डाल कर आग को और भड़काते है। होना तो यह चाहिए कि किसी भी संवदनशील मुद्दे पर सभी राजनीतिक पार्टियों को अपनी दलगत भावनाओं को दरकिनार कर एकजूट होना चाहिए ताकि दो संप्रदायों के बीच आपसी सद्भाव और भाई चारा बना रहे लेकिन होता उल्टा है। राजनीतिक पार्टियां इसमें भी अपना नफा नुकसान देखने लगती है और उस हिसाब से अपना एजेंडा तय करती है। कुछ तो वोट बैंक के चक्कर में खुलकर दंगाईयों का समर्थन भी करने लगते है। ऐसे लोगों की वजह से ही तिल का ताड़ बनता है और तनाव का माहोल पैदा हो जाता है। व्यापक राष्ट्रीय हितों को मद्देनजर रख कर सभी राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे हिंसा की इस आग को और भड़कने से रोके और शांति कायम करने के लिए आगे आएं।

कविता

हिंदी के लिए खुला विश्व-द्वार

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

संयुक्तराष्ट्र संघ में अभी भी दुनिया की सिर्फ छह भाषाएं आधिकारिक रूप से मान्य हैं। अंग्रेजी, फ्रांसीसी, चीनी, रूसी, हिस्पानी और अरबी! इन सभी छह भाषाओं में से एक भी भाषा ऐसी नहीं है, जो बोलनेवालों की संख्या, लिपि, व्याकरण, उच्चारण और शब्द-संख्या की दृष्टि से हिंदी का मुकाबला कर सकती हो। इस विषय की विस्तृत व्याख्या मेरी पुस्तक 'हिंदी कैसे बने विश्वभाषा?' में मैंने की है। यहां तो मैं इतना ही बताना चाहता हूं कि हिंदी के साथ भारत में ही नहीं, विश्व मंचों पर भी घनघोर अन्याय हो रहा है लेकिन हल्की-सी खुशखबर अभी-अभी आई है। संयुक्तराष्ट्र संघ की महासभा ने अपने सभी 'जरुरी कामकाज' में अब उक्त छह आधिकारिक भाषाओं के साथ हिंदी, उर्दू और बांग्ला के प्रयोग को भी स्वीकार कर लिया है। ये तीन भाषाएं भारतीय भाषाएं हैं, हालांकि पाकिस्तान और बांग्लादेश को विशेष प्रसन्नता होनी चाहिए, क्योंकि बांग्ला और उर्दू उनकी राष्ट्रभाषाएं हैं। यह खबर अच्छी है लेकिन अभी तक यह पता नहीं चला है कि संयुक्तराष्ट्र के किन-किन कामों को 'जरुरी' मानकर उनमें इन तीनों भाषाओं का प्रयोग होगा। क्या उसके सभी मंचों पर होनेवाले भाषणों, उसकी रपटों, सभी प्रस्तावों, सभी दस्तावेजों, सभी कार्रवाइयों आदि का अनुवाद इन तीनों भाषाओं में होगा? क्या इन तीनों भाषाओं में भाषण देने और दस्तावेज़ पेश करने की अनुमति होगी? ऐसा होना मुझे मुश्किल लग रहा है लेकिन धीरे-धीरे वह दिन आ ही जाएगा जबकि हिंदी संयुक्तराष्ट्र की सातवीं आधिकारिक भाषा बन जाएगी। हिंदी के साथ मुश्किल यह है कि वह अपने घर में ही नौकरानी बनी हुई है तो उसे न्यूयार्क में महारानी कौन बनाएगा? हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं और हिंदी देश में अधमरी (अर्धमृत) पड़ी हुई है। कानून-निर्माण, उच्च शोध, विज्ञान विषयक अध्यापन और शासन-प्रशासन में अभी तक उसे उसका उचित स्थान नहीं मिला है। जब 1975 में पहला विश्व हिंदी सम्मेलन नागपुर में हुआ था, तब भी मैंने यह मुद्दा उठाया था और 2003 में सूरिनाम के विश्व हिंदी सम्मेलन में मैंने हिंदी को सं.रा. की आधिकारिक भाषा बनाने का प्रस्ताव पारित करवाया था। 1999 में भारतीय प्रतिनिधि के नाते संयुक्तराष्ट्र में मैंने अपने भाषण हिंदी में देने की कोशिश की लेकिन मुझे अनुमति नहीं मिली। केवल अटलजी और नरेंद्र मोदी को अनुमति मिली, क्योंकि हमारी सरकार को उसके लिए कई पापड़ बेलने पड़े थे। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने भरसक कोशिश की कि हिंदी को संयुक्तराष्ट्र की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिले लेकिन कोई मुझे यह बताए कि हमारे कितने भारतीय नेता और अफसर वहां जाकर हिंदी में अपना काम-काज करते हैं? जब देश में सरकार का सारा महत्वपूर्ण काम-काज (वोट मांगने के अलावा) अंग्रेजी में होता है तो संसार में वह अपना काम-काज हिंदी में कैसे करेगी? अंग्रेजी की इस गुलामी के कारण भारत दुनिया की अन्य समृद्ध भाषाओं का भी लाभ लेने से खुद को वंचित रखता है। देखें, शायद संयुक्त राष्ट्र की यह पहल भारत को अपनी भाषायी गुलामी से मुक्त करवाने में कुछ मददगार साबित हो जाए!

योगेश कुमार गोयल

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार देश में प्रतिवर्ष एक करोड़ यूनिट रक्त की आवश्यकता पड़ती है किन्तु सिर्फ75 लाख यूनिट रक्त ही उपलब्ध हो पाता है। अगर देश की कुल आबादी के लिहाज से देखें और यह मानकर चलें कि एक व्यक्ति साल में केवल एक बार ही रक्तदान करता है तो भी इसका अर्थ है कि महज आधा फीसदी लोग ही रक्तदान करते हैं। यह बेहद चौंकाने वाली स्थिति है और आधुनिक विज्ञान के युग में भी रक्त की कमी के चलते लाखों लोगों की मौतों के मद्देनजर यह नितांत आवश्यक है कि आमजन को रक्तदान के लिए प्रेरित करने और उसके फायदे समझाने के लिए व्यापक स्तर पर जन-जागरण अभियान चलाया जाए। लोगों को समझाया जाए कि रक्तदान करने से उन्हें किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता बल्कि अपने रक्त से एक अनमोल जीवन बचाकर जो आत्मिक संतुष्टि मिलती है, वह अनमोल है, साथ ही हमारे शरीर का रोग प्रतिरोधी तंत्र भी रक्तदान से मजबूत होता है। स्वैच्छिक रक्तदान कर किसी की जान बचाकर जहां मानसिक खुशी मिलती है, वहीं रक्तदान करने वाले व्यक्ति का एक रक्तदाता कार्ड भी बना दिया जाता।

विश्व रक्तदान दिवस पर विशेष

रक्तदान बचाए अनमोल जान

रक्तदान को समस्त विश्व में सबसे बड़ा दान माना गया है क्योंकि रक्तदान ही है, जो न केवल किसी जरूरतमंद का जीवन बचाता है बल्कि जिंदगी बचाकर उस परिवार के जीवन में खुशियों के ढ़ेरों रंग भी भरता है। कल्पना कीजिए कि कोई व्यक्ति रक्त के अभाव में जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहा है और आप एकाएक उम्मीद की किरण बनकर सामने आते हैं और आपके द्वारा किए गए रक्तदान से उसकी जिंदगी बच जाती है तो आपको कितनी खुशी होगी। हालांकि एक समय था, जब चिकित्सा विज्ञान इतना विकसित नहीं था और किसी को पता ही नहीं था कि किसी दूसरे व्यक्ति का रक्त चढ़ाकर किसी मरीज का जीवन बचाया जा सकता है। उस समय रक्त के अभाव में असमय होने वाली मौतों का आंकड़ा बहुत ज्यादा था किन्तु अब स्थिति बिल्कुल अलग है लेकिन फिर भी यह विड़म्बना ही कही जाएगी कि रक्तदान के महत्व को जानते-समझते हुए भी रक्त के अभाव में आज भी दुनियाभर में हर साल करोड़ों लोग असमय ही काल के ग्रास बन जाते हैं, जिनमें अकेले भारत में ही रक्त की कमी के चलते होने वाली ऐसी मौतों की संख्या करीब बीस लाख होती है क्योंकि देश में प्रतिवर्ष करीब पच्चीस लाख यूनिट रक्त की कमी रह जाती है। दरअसल रक्तदान के महत्व को लेकर किए जाते रहे प्रचार-प्रसार के बावजूद आज भी बहुत से लोगों के दिलोदिमाग में रक्तदान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान हैं, जैसे रक्तदान करने से संक्रमण का खतरा रहता है, शरीर में कमजोरी आती है, बीमारियां शरीर को जकड़ सकती हैं या एचआईवी जैसी बीमारी हो सकती है।

इस तरह की भ्रांतियों को लेकर लोगों को जागरूक करने के प्रयास किए जाते रहे हैं किन्तु अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार रक्तदान करने से शरीर को किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं होता बल्कि रक्तदान से तो शरीर को कई फायदे ही होते हैं। जहां तक रक्तदान से संक्रमण की बात है तो सभी स्वास्थ्य केन्द्रों द्वारा रक्त लेते समय विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा तय मानक तरीके अपनाए जाते हैं, इसलिए संक्रमण का कोई खतरा नहीं होता। 18 साल से अधिक उम्र का शारीरिक रूप से स्वस्थ कम से कम 45 किलो से अधिक वजन का कोई भी व्यस्क स्वेच्छा से कम से कम तीन माह के अंतराल पर साल में 3-4 बार रक्तदान कर सकता है। कुछ लोगों को रक्तदान के समय हल्की कमजोरी का अहसास हो सकता है किन्तु यह चंद घंटों के लिए अस्थायी ही होता है। इसके उलट रक्तदान के फायदों की चर्चा करें तो रक्तदान करते रहने से खून की प्राकृतिक

रूप से सफाई होती है और रक्त कुछ पतला हो जाने से खून में थक्के नहीं जमते, जिससे हार्ट अटैक की संभावना बेहद कम हो जाती है। रक्तदान के बाद शरीर में जो नए ब्लड सेल्स बनते हैं, उनमें किसी भी बीमारी से लड़ने की अपेक्षाकृत अधिक ताकत होती है और यह स्वच्छ व ताजा रक्त शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मददगार होता है, जिससे न सिर्फ कोलेस्ट्रॉल और रक्तचाप नियंत्रित रहता है बल्कि कैंसर जैसी बड़ी बीमारियों से बचाव, कुछ हद तक मोटापे पर नियंत्रण तथा कई संक्रामक बीमारियों से बचाव होता है। रक्त में आयरन की मात्रा नियंत्रित हो जाने से लीवर की कार्यक्षमता बढ़ जाती है।

जीवनदायी रक्त की महत्ता के मद्देनजर लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से 14 जून 1868 को जन्मे कार्ल लैंडस्टीनर के जन्मदिवस पर 14 जून 2004 को रक्तदान दिवस की शुरूआत की गई थी और तब पहली बार विश्व स्वास्थ्य संगठन, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेडक्रॉस तथा रेड क्रिसेंट सोसायटीज द्वारा 'रक्तदान दिवस' मनाया गया था, तभी से यह दिन 'रक्तदान' के नाम कर दिया गया। विश्व रक्तदान दिवस की शुरूआत का उद्देश्य यही था कि चूंकि दुनियाभर में लाखों लोग समय पर रक्त न मिल पाने के कारण मौत के मुंह में समा जाते हैं, अतः लोगों को रक्तदान करने के लिए जागरूक किया जाए। हमारे शरीर में शरीर के कुल वजन का करीब 7 फीसदी रक्त होता है और अगर हम उसमें से 3 फीसदी भी दान कर दें तो भी स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या नहीं होती। वैसे विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्देशानुसार एक बार में किसी भी व्यक्ति का एक यूनिट अर्थात् 450 मिलीलीटर से अधिक रक्त नहीं लिया जा सकता और इस रक्त की पूर्ति हमारा शरीर खुद ही 2-3 दिनों में ही कर लेता है। रक्तदान के बाद प्राप्त रक्त से आवश्यकतानुसार लाल रक्त कणिकाएं, प्लेटलेट्स, प्लाज्मा और क्रायोप्रेसिपिटेट अलग कर मरीजों के लिए उपयोग किए जाते हैं। आरबीसी का उपयोग रक्त लिए जाने के 42 दिन बाद तक किया जा सकता है जबकि प्लेटलेट्स सिर्फ 5 दिन के अंदर उपयोग की जा सकती हैं।

रक्तदान करते समय कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिए, तभी आप द्वारा किया गया रक्तदान सार्थक होगा। आपको एड्स, मलेरिया, हेपेटाइटिस, अनियंत्रित मधुमेह, किडनी संबंधी रोग, उच्च या निम्न रक्तचाप, टीबी, डिप्थीरिया, ब्रोंकाइटिस, अस्थमा, एलर्जी, पीलिया जैसी कोई बीमारी हो तो रक्तदान न करें। माहवारी के दौरान या गर्भवती अथवा स्तनपान कराने वाली महिलाएं रक्तदान करने से बचें। यदि आपको टाइफाइड हुआ हो और ठीक हुए महीना भर ही हुआ हो, चंद दिनों पहले गर्भपात हुआ हो, तीन साल के भीतर मलेरिया हुआ हो, पिछले छह महीनों में किसी बीमारी से बचने के लिए कोई वैक्सीन लगवाई हो, आयु 18 से कम या 60 साल से ज्यादा हो तो रक्तदान न करें। जब भी रक्तदान करें, उससे कुछ समय पहले और कुछ समय बाद तक पर्याप्त पानी पीएं, भोजन में हरी सब्जियां तथा आयरन व विटामिन से भरपूर पौष्टिक आहार लें लेकिन रक्तदान से पहले जंक फूड, अधिक वसायुक्त भोजन के अलावा धूम्रपान, मद्यपान इत्यादि किसी भी प्रकार के नशे का सेवन करने से बचें। शराब पीते हैं तो 2-3 दिन पहले शराब का सेवन बंद कर दें।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार देश में प्रतिवर्ष एक करोड़ यूनिट रक्त की आवश्यकता पड़ती है किन्तु सिर्फ 75 लाख यूनिट रक्त ही उपलब्ध हो पाता है। अगर देश की कुल आबादी के लिहाज से देखें और यह मानकर चलें कि एक व्यक्ति साल में केवल एक बार ही रक्तदान करता है तो भी इसका अर्थ है कि महज आधा फीसदी लोग ही रक्तदान करते हैं। यह बेहद चौंकाने वाली स्थिति है और आधुनिक विज्ञान के युग में भी रक्त की कमी के चलते लाखों लोगों की मौतों के मद्देनजर यह नितांत आवश्यक है कि आमजन को रक्तदान के लिए प्रेरित करने और उसके फायदे समझाने के लिए व्यापक स्तर पर जन-जागरण अभियान चलाया जाए। लोगों को समझाया जाए कि रक्तदान करने से उन्हें किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता बल्कि अपने रक्त से एक अनमोल जीवन बचाकर जो आत्मिक संतुष्टि मिलती है, वह अनमोल है, साथ ही हमारे शरीर का रोग प्रतिरोधी तंत्र भी रक्तदान से मजबूत होता है। स्वैच्छिक रक्तदान कर किसी की जान बचाकर जहां मानसिक खुशी मिलती है, वहीं रक्तदान करने वाले व्यक्ति का एक रक्तदाता कार्ड भी बना दिया जाता है, जिसका लाभ यह होता है कि यदि उसे या उसके किसी परिजन को सालभर के अंदर कभी रक्त की जरूरत पड़ जाती है तो वह इस रक्तदाता कार्ड के जरिये एक यूनिट रक्त ब्लड बैंक से आसानी से प्राप्त कर सकता है।

उत्कर्ष कुमार सोनबोइर

साहब कहिथे कि ये मानुस तन ह रतन के बरोबर हे, तेखर तेहा जतन कर जतन के मायने ये नोहे की साज सज्जा कर चटक मटक के दुनिया म तै रम जास अउ फोकटे - फोकट घमंड करस। छत्तीसगढ़ के कन कन म साहेब के वास हे, धरमदास ल साहेब आसीस मिले ले 42 वंस मिलत हे, चूड़ामणि साहेब उखर पूत होइन। बांधवगढ़ वोकर जन्मभू, कुदुरमाल हसदेव नदिया तीर कोरबा चूड़ामणि साहब समाधी लिन, कवरधा म सब्बो वंस के गुरु गद्दी रहिस, धीरज नाम साहब के बाद उग्र नाम साहब रइपुर तीर जिला बलोदाबाजार धरम नगरी दामाखेड़ा पहुंचिस, आज घलो साहब के वंस दामाखेड़ा म वास करथे।

ये मानुस तन ह रतन के बरोबर हे

सदगुरु कबीर साहेब के अवतरन दिवस के आप सब्बो झन ल नंगत अंकन बधाई हे, अउ साहेब के सफ्फा नेमी परेमी मन ल मोर साहेब बंदगी साहेब!

कबीर साहब के अवतरन वि. स. 1455 म जेठ के लक लकावत घाम अउ पबरित पुन्नी के दिन सीतल निरमल लहर तारा तरिया म कमल के फूल म परगट होइस। जन लोक मानथे की साहब हिन्दू आये अउ वोकर लालन पोसन निरु अउ नीमा करिन। फेर साहब ह ना तो हिन्दू रहिस नहीं मुसलमान उन इंसान रहिन मानवता के सदा धरम ध्वजा ल फेहराइन। कबीर साहब के सत रद्दा म चलइया मन ल कबीरपंथी केहे हे अउ वोकर पंथ ल कबीरपंथ। में कहुँ कि कोनो जनम जात कबीरपंथी नई होये, केवल चन्दन चोहा अउ चउका चढ़ाव करे ले कबीर पंथी नई होये, बल्कि ओखर आचरन व्यवहार ल अपन अंतस म धारन कर अइया अउ सत ग्यान ले अपन तन मन ल पबरित रखअइया मन ही कबीरपंथी हो सकथे।

कबीरपंथ के मुख्य तर दू ठक पंथ होइस कबीरचउरा उ. प्र अउ छत्तीसगढ़ के कबीरधाम साखा, छत्तीसगढ़ के साखा ह बिस्व के सबले बड़े कबीरपंथी साखा आये। साहब के सिष्य जुड़ावन दास जेहर अपन सब्बो धन ल साहेब सुमरिन म लगाइस तेला साहेब धनी धरमदास बुलाइन, कई झीक धनी धरमदास ल छत्तीसगढ़ के पहली कबि घलो मानिन फेर साहित्यकार मन हीरालाल काव्योपाध्याय ल मानथे। धनि धरम दास हर किताब घलो लिखे हे भले बाद म लिपि बध होहे, अनुराग सागर अंग्रेजी म ओसियन ऑफ़ लव म अनुवाद घलो होहे।

साहेब के कतको बानी ह सिख धरम के संस्थापक गुरु नानक देव ह अपन गरंथ गुरु ग्रन्थ साहिब म लिखे हे। बीजक पारख प्रबोधिनी व्याख्या भाग 2 म व्ख्याकार अभिलाष दास साहेब ह लिखते की कबीर वाणी ह आगि के समान हे जेमा कोनो खखरा बोधरा नइ बाचे, सहाब ह कोनो पोथी किताब नहीं लिखे फेर ओला मानव जाती लोक जीवन ला कहे हे तीमन आज वोकर दोहा के रूप म सौहत हें।

रतन का जतन करू, माड़ी का सिंगार।

आया कबीरा फिर गया, झूठा हैं हंकार।।

साहब कहिथे कि ये मानुस तन ह रतन के बरोबर हे, तेखर तेहा जतन कर जतन के मायने ये नोहे की साज सज्जा कर चटक मटक के दुनिया म तै रम जास अउ फ़ोकटे - फ़ोकट घमंड करस।

छत्तीसगढ़ के कन कन म साहेब के वास हे, धरमदास ल साहेब आसीस मिले ले 42 वंस मिलत हे, चूड़ामणि साहेब उखर पूत होइन। बांधवगढ़ वोकर जन्मभू, कुदुरमाल हसदेव नदिया तीर कोरबा चूड़ामणि साहब समाधी लिन, कवरधा म सब्बो वंस के गुरु गद्दी रहिस, धीरज नाम साहब के बाद उग्र नाम साहब रइपुर तीर जिला बलोदाबाजार धरम नगरी दामाखेड़ा पहुंचिस, आज घलो साहब के वंस दामाखेड़ा म वास करथे। नादिया कबीर मठ नांदगाव, रइगढ़, दुरुग धमधा केवलनाम धाम, म हर पयेत साहब अवतरन दिवस अउ मेला मड़ई घलो अब्बड़ उछाहा ले मनाथे।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

मैं मरता रहा स्कूल

मैं मरता रहा स्कूल पूरा हो जाय, फिर कॉलेज की डिग्री के लिए मरने लगा। फिर नोकरी के लिए मरने की बारी आई, फिर शादी के लिए मर मिटा। फिर बच्चों को पैरों पर खड़ा करने के लिए मरना तय किया। फिर इस चाह में मरने लगा कि कब रिटायर होऊँगा। अब मरते वक्त सोचता हूँ , मैं जीवित कब था। हममें से अधिकांश मरते ही रहते है। जीने के बारे में कभी सोचते क्यो नही?

- हेमा पाण्डेय

आम आदमी

आम आदमी मुश्किलों में है...क्या किया जाए परिवार का बोझ उसके सिर पे बढ़ता ही जाए बोलो,बोलो आखिर.... क्या किया किया जाए ठोकर खा चलता है, अक्सर मौन रहता है वो कर्ज़ के नीचे दबा हुआ है....क्या किया जाए आम आदमी मुश्किलों में है...क्या किया जाए

- डिंपल गौड़ शर्मा

खास पाती | मिले अगर मकरंद तितलियां

मिले अगर मकरंद तितलियां, हनक कहां दिखलाती है! नँचती ,पाँव बाँध पायलियां, महक जहां पा जाती है ! बनी सियासत अब पायलियां, पाँवों में बँध तितली के झनन-झनन करती बगिया में , बेमतलब अँगराती है। पिया खुदारा तब बगिया से , तुनक दूर हो जाता है , नाँच दिखाती हुई तितलियां ,चहक बहक जब जाती है! झनकें नूपुर हजारों किंतु, भनक न पायें साँवरिया जानें,अब इस पायलिया की,खनक कहाँ तक जाती है? **- पंकज कुमार बसंत**

आये दिन के सांप्रदायिक दंगे

आये दिन के सांप्रदायिक दंगे और दो समुदायों के बीच की नफरती हिंसा उसी फूट डालो और राज करो की गहरी राजनीतिक साजिश का परिणाम हैं, जिसकी नींव अंग्रेजों ने 1857 के विद्रोह की असफलता के बाद रखी थी । वह लगातार फूल-फल रही है और अंग्रेज आज भी उसका मजा ले रहे हैं लेकिन हम भारतवासी उनके इस खतरनाक और रहती दुनिया तक ढोये जाने वाले षड़यंत्र को अब तक नहीं समझ पाये और एक दूसरे से लगातार नफरत कर रहे हैं और आपस में लड़ रहे हैं । कार्ल मार्क्स ने भी अंग्रेजों की नीति ही रखी थी । उसने हर हिंसा को शोषण बनाम उत्पीड़न और वर्ग-संघर्ष का प्रतिफल कहकर मान्यता दे दी है और हमने आंख मूंद कर उसे स्वीकार कर लिया है । **- कमल मेहर**

कट गए सारे पेड़ जहां मिले थोड़े

कट गए सारे पेड़ जहां मिले थोड़े से यदि छांव भीषण इस गर्मी में तब सुकून देता जरा ठहराव सोंचे इन जीवों के वास्ते ओ एसी में रहने वालों गर्मी है तेज बहुत यहां बैठे कमरे में कहने वालों।

- संत आर थवाइत

झूठ के ताम-झाम में झूठे लोगों

झूठ के ताम-झाम में झूठे लोगों का बरबोलापन होता है, मखौटे ओढ हाँजी, हाँजी कहने वाले जो होते हैं, कलई खुलते ही हाँजी, नाजी नाजी कहते देर नहीं लगती, सच अकेले भले ही बेचारा लगता हो, बिना ताम झाम के सीधा-सादा लगता हो, पर मजबूत इरादे का अडिग अक्खड़ होता है, इसीलिए झूठ बोलकर सच को दबाना इतना आसान नहीं । **-पूनम झा**

शोर ही शोर है धमाकों का कुछ

शोर ही शोर है धमाकों का कुछ पता ही नहीं इरादों का क्यों सभी लोग हो गए बहरे शोर सुनता नहीं है आहों का वो बरी हो गया अदालत से फायदा क्या हुआ गवाहों का वक्त बेवक्त आ ही जाती हैं क्या करुं तू बता तो यादों का कर्म अच्छे सहर जरुरी हैं फल मिलेगा यहीं गुनाहों का। **- डॉ बबिता गर्ग**

घर के बड़े ही जब कटु

घर के बड़े ही जब कटु वचन बोलें.. तब समझ जाना चाहिए.. विनाश काले मंद बुद्धी.. दूसरों के बहकावे में आकर किया कार्य, कभी सार्थक हो ही नहीं सकता। **-अश्क शायर**

क्षितिज सा जीवन हुआ साँझ डूबता

क्षितिज सा जीवन हुआ साँझ डूबता है सूरज रात तन्हाई समेटे आत्मा ओढ़े उदासी साथ परछाई लपेटे क्यूँ धरती और गगन सा ये प्रिये बंधन हुआ शून्य हो नैना निहारें बँध रहीं उर हिचकियाँ भावनाओं के समन्दर साहिलों सी सिसकियाँ ज्वार भाटे बीच लहरें अनसुना क्रंदन हुआ तप्त रक्तिम सा दिवाकर काल कलवित हो रहे प्रीति के कारण निशा सँग प्रतीची में खो रहे ये सृष्टि के पार कैसा अजब आलिंगन हुआ। **-रजनी रामदेव**

QUIZ TIME

1) भारत के किस केंद्रीय मंत्रालय ने 'मंदिर 360' पोर्टल लॉन्च किया?
2) भारतीय नौसेना स्टेशन (इहस) शिवाजी भारत के किस राज्य में स्थित है?
3) किस फर्म को भारतीय सेना से एकीकृत नेटवर्क प्रबंधन प्रणाली स्थापित करने का आदेश मिला है?
4) भारतीय तटरक्षक जहाज 'सुजीत' किस प्रकार का जहाज है?
5) भारत किस देश से 'सिकोरस्की रोमियो' हेलीकॉप्टर खरीदने के लिए तैयार है?

Ramaquiz

उत्तर- (1) संस्कृति मंत्रालय (2) महाराष्ट्र (3) लार्सन एंड टर्बो (4) अपतटीय गश्ती पोत (5) संयुक्त राज्य अमेरिका

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1634- रूस और पोलैंड के बीच पोलियानोव शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए। 1658- ड्यूनस की लडाई में ब्रिटिश और फ्रांसीसी सेनाओं ने स्पेन को हराया। 1775- अमेरिकी सेना की स्थापना हुई। 1777- अमेरिकी कांग्रेस ने बैठक के दौरान अपना झंडा चुना। 1880- वैज्ञानिक सतीश चंद्र दासगुप्ता का जन्म। 1900- हवाई क्षेत्र अमरीकी राष्ट्र का हिस्सा बना। 1901- पहली बार गोल्फ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। 1905- प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतकार हीराभाई बारोडकर का जन्म। 1907- नॉर्वे में महिलाओं को मतदान करने का अधिकार मिला। 1909- केरल के महान नेता ईएमएस नंबूदिरीपाद का जन्म हुआ। 1917- इंग्लैंड पर जर्मनी का पहला हवाई हमला, पूर्वी लंदन में सौ से ज्यादा लोगों की मौत। 1922- भारत के प्रसिद्ध फिल्म निर्माता और निर्देशक के आसिफ का जन्म। 1928- क्रांतिकारी चे ग्वेरा का जन्म हुआ। इन्होंने क्यूबा की मुक्ति में अपनी अहम भूमिका निभाई। 1934- आस्ट्रिया की राजधानी वियना में हिटलर और बेनिटो मुसोलिनी की मुलाकात। 1940- द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी की सेना ने फ्रांस की राजधानी पेरिस पर कब्जा किया। 1947- कांग्रेस कार्य समिति ने भारत विभाजन के लिए माउंटबेटन योजना की प्रस्ताव स्वीकृति को अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के समक्ष रखा। 1949- वियतनाम राष्ट्र का गठन। 1955- टॉक शो से लेकर फिल्मों में काम करने वाली किरण खेर का जन्म। 1958- डॉ सी.वी. रमन को क्रेमलिन में लेनिन शांति पुरस्कार प्रदान किया गया।

विश्व पटल पर मोदी ने बढ़ाया भारत का मानः कौशिक

◗ चिंगराजपारा में हुआ गरीब कल्याण जनसभा का आयोजन

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि 2014 के पूर्व का भारत व 2014 के बाद भारत की स्थिति आज क्या है। यह महत्वपूर्ण आठ साल भारत का मान सम्मान विश्व पटल पर किसी ने बढ़ाया है तो वह देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने। जब 2014 में देश की जनता ने नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाया जिस दिन सदन की सीढ़ी पर चढ़ने से पूर्व सिर नवाकर प्रणाम करते हुए कहा कि देश के करोड़ों गरीब परिवारों के लिए मैं काम की शुरुआत करूंगा और किया भी। प्रधानमंत्री आवास, घर-घर शौचालय, पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज के लिए आयुष्मान भारत योजना, देश के गरीब किसानों के खाते में प्रति वर्ष छह हजार रुपये ट्रांस्फर, जन धन खाते में 1500 रुपये डाले गए। ऐसी अनेक योजनाए लागू कर उसे धरातल पर लाया गया। जम्मू कश्मीर में धारा 370 खत्म किया गया। डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को पूरा किया, अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण जारी है।

पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल ने कहा कि देश आज केंद्र की मोदी सरकार के आठ वर्ष पूर्ण होने पर देश की जनता उत्साहित है। जगह-जगह उत्सव मनाया जा रहा है। इसका मूल कारण देश के प्रधानमंत्री मोदी ने संकल्प लेकर देश की सत्ता संभाली उस दिन से लगातार काम कर रहे हैं। सांसद अरुण साव ने कहा कि गरीब परिवार का व्यक्ति आज देश का प्रधानमंत्री है। मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने सभी वर्गो एवं तबके के उत्थान के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजना प्रारंभ की खासकर देश के करोड़ों गरीब परिवार जिनके पास स्वयं का अपना मकान नही था। ऐसे परिवार के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के पांच करोड़ गरीब परिवारों का अभी तक प- मकान बनाकर दिए गए है।

कांग्रेस में घोटाले का बोलबालाः सवन्नी

भाजपा प्रदेश महामंत्री भूपेन्द्र सवन्नी ने कहा कि देश में कांग्रेस शासनकाल में सिर्फघोटाले ही घोटाले का बोल बाला था, देश के विकास का सारा पैसा कांग्रेसियों ने खा लिया, देश में भ्रष्टाचार का जाल था। 2014 में जब देश की सत्ता नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने सम्हाली तो सबसे पहले मोदी जी ने देश के अंदर से भ्रष्टाचार, कमीशन खोरी, दलाली को खत्म कर देश के सर्वांगिण विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कार्य प्रारंभ किया जिसका लाभ गरीबों को मिल रहा है।

विकास की बह रही गंगाः हर्षिता

महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष हर्षिता पांडेय ने कहा कि भारत के कोने-कोने तक अगर विकास की गंगा बह रही है तो सिर्फदेश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की भाजपा सरकार के चलते। मोदी के इन आठ वर्ष के कार्यकाल को देखे तो स्वर्णिम काल है। वहीं प्रदेश की कांग्रेस सरकार के मुखिया भूपेश बघेल ने प्रदेश की जनता के साथ झूठ बोलकर धोखाधड़ी की है।

भाजपा जिलाध्यक्ष रामदेव कुमावत ने केन्द्र की मोदी सरकार के आठ वर्ष पूर्ण होने पर बधाई एवं शुभकामनायें देते हुए केंद्र सरकार की गरीबों के लिए चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत से बताया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के आठ वर्ष पूरे होने पर संभाग मुख्यालय बिलासपुर में भारतीय जनता पार्टी जिला बिलासपुर द्वारा गरीब कल्याण जनसभा का आयोजन लक्ष्मी चौक चिंगराजपारा बिलासपुर में किया गया। जिसमें केन्द्र सरकार की विभिन्न् जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थी, आमजन व भाजपा के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता हजारों की संख्या में शामिल हुए।

गरीबों के उत्थान के लिए कोई योजना नहींः रजनीश

बेलतरा विधायक रजनीश सिंह ने कहा कि प्रदेश की भूपेश सरकार ने पास गरीबों के उत्थान के लिए कोई योजना नही है। आज प्रदेश को कर्ज के बोझ से लाद दिया है। 55 हजार करोड़ इन तीन वर्षो के अंदर भूपेश सरकार कर्ज ले चुकी है। इसका खामियाजा प्रदेश की जनता को चुकाना पड़ेगा। विकास के कोई काम नही हो रहे है। आखिर पैसा जा कहा रहा है यह चिंता का विषय है।

अब तीन नंबर प्लेटफार्म की रेल लाइन से हटेगा वाशिंग एप्रान

बिलासपुर/नवप्रदेश। जोनल स्टेशन के प्लेटफार्म तीन की रेल लाइन से भी जल्द वाशिंग एप्रान हटाने का काम शुरू हो जाएगा। इंजीनियरिंग विभाग ने इसके लिए सर्वे पूरा कर लिया है। रिपोर्ट भी संबंधित विभाग को सौंप दी गई है। इसी के आधार पर ब्लाक मिलेगा। जैसे ही ब्लाक मिलेगा काम शुरू हो जाएगा। वाशिंग एप्रान प्लेटफार्म की रेल लाइन में बनाया जाता है। इससे ट्रैक के नीचे पानी से धुलाई में आसानी होती है। पर अब इसकी आवश्यकता नहीं है। रेलवे धीरे- धीरे सभी ट्रेनों को एलएचबी कोच कर रही है। बिलासपुर रेलवे स्टेशन से तो गुजरने वाली सभी ट्रेनों में एलएचबी होने का दावा करते हुए रेलवे यहां सभी लाइनों से वाशिंग एप्रान हटाने की शुरुआत कर दी है।पिछले दिनों प्लेटफार्म एक पर इसका काम हुआ। अब अन्य प्लेटफार्म से इसे हटाने की योजना है। सभी में एक साथ काम मुश्किल है। इससे ट्रेनों का परिचालन पूरी तरह ठप हो सकता है। इसलिए अब धीरे- धीरे इसे हटाया जा रहा है। इसके तहत अब प्लेटफार्म तीन की रेल लाइन से इसे हटाने का निर्णय लिया गया है। पर यह आसान नहीं है। इसलिए पहले इंजीनियरिंग विभाग को सर्वे करने के लिए कहा गया था। सर्वे के दौरान विभाग की टीम ने यह देखा की यहां वाशिंन एप्रान हटाने में कितना दिन लगेगा। इसके अलावा कितने स्लीपर बदले जाएंगे, कुशन (गिट्टी) को लेकर किसी तरह योजना बनानी पड़ेगी। इन सभी को पूरा करते हुए ही सर्वे रिपोर्ट बनाई गई है।हालांकि इस प्लेटफार्म पर कितना दिन लगेगा अभी उजागर नहीं किया गया। केवल रिपोर्ट सौंपी गई है। जैसे ही इस पर मुहर लग जाएगी।

पेड़ों की छंटाई कर सड़क पर फेंक दिए डाल,राहगीरों को हो रही दिक्कत

◗ मरीमाई मंदिर मार्ग व जरहाभाठा मंदिर चौक मार्ग में सबसे ज्यादा परेशानी

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिजली वितरण कंपनी मानसून पूर्व मरम्मत का काम कर रही है। इसके तहत जितने भी पेड़ बिजली तार के संपर्क में आ रहे हैं, उनकी छंटाई की जा रही है। यह जरूरी भी है। लेकिन छंटाई के बाद कटी डालियों को सड़क पर ही फेंक दिया जा रहा है। इसके चलते स्थानीय लोगों के अलावा राहगीरों को परेशानी हो रही है। यह नजारा मरीमाई मंदिर व जरहाभाठा मंदिर चौक मार्ग पर आसानी से देखा जा सकता है। बिजली कंपनी हर साल इसी तरह मरम्मत का काम करती है। दरअसल बारिश या अंधड़ की वजह से डाल बिजली तार पर गिर जाती है। इसके अलावा आपस में टकराने से भी स्पार्क होता है। छटाई करने से इस तरह की दिक्कत नहीं होती। यही वजह है कि नेहरू नगर मंडल व तोरवा मंडल में छटाई का काम जारी है।

मरम्मत के दौरान बिजली भी बंद रखी जाती है। पर इससे किसी को परेशानी नहीं है। पर कंपनी द्वारा छटाई के बाद जिस तरह पेड़ों की डाल को सड़क पर या किनारे नालियों में छोड़ दिया गया है। उसकी वजह से लोगों को समस्या हो रही है। जरहाभाठा मंदिर चौक से इंदु चौक तक सब स्टेशन वाली साइड पेड़ो की डाल से नालियां ढक गई। इतना ही नहीं लोगों को इस मार्ग के किनारे में गाड़ियां पार्किंग करने में भी दिक्कत हो रही है। इसके अलावा मरीमाई मंदिर वाली सड़क में एक जगह बड़ी डाल बीचों- बीच पड़ी है।

पिछले चार दिनों से यही स्थिति है, लेकिन इसे हटाने की फुर्सत बिजली कंपनी नहीं है, जबकि यहां मरम्मत के दौरान ऐसा हुआ था। इसके अलावा विकास नगर, मंगला चौक व वेयर हाउस रोड इन जगहों पर भी यही स्थिति है। वेयर हाउस रोड तो बेहद व्यस्त मार्ग है, लेकिन सड़क किनारे इन पेड़ों की डालियों की वजह से परेशानियां हो रही है। लोगों का कहना है कि कंपनी हर बार ऐसा ही करती है। जबकि नियमानुसार से इन्हें समेटकर हटवाना चाहिए।

स्टेट कैंसर यूनिट के लिए आएंगी 35 करोड़ की चिकित्सकीय मशीनें

◗ सिम्स प्रबंधन ने तैयार किया इस्टीमेट, सीजीएमएससी करेगी खरीदी

बिलासपुर/नवप्रदेश। स्टेट कैंसर यूनिट के लिए राज्य सरकार की ओर से 34 करोड़ 19 लाख र्स्पये जारी होने के बाद निर्माण की प्रक्रिया तेज हो गई है। केंद्र सरकार भी 51 करोड़ र्स्पये दे चुकी है। अब अस्पताल के लिए चिकित्सकीय मशीनें लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके तहत 35 करोड़ र्स्पये की मशीनें खरीदी जानी चाहिए। सिस्म प्रबंधन ने इसके लिए इस्टीमेट तैयार कर लिया है। इसे जल्द ही सीजीएमएससी(छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कारपोरेशन) को सौंपा जाएगा।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 22 मई को कोनी में बन रहे स्टेट कैंसर यूनिट का वर्चअल भूमिपूजन किया था। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए थे कि इस अस्पताल के निर्माण में विलंब नहीं होना चाहिए। इसके बाद निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई है। कुल 115 करोड़ र्स्पये से बन रही इस यूनिट में 35 करोड़ की चिकित्सकीय मशीनें स्थापित की जानी हैं। इस यूनिट का निर्माण सीजीएमएससी कर रही है। ऐसे में मशीन खरीदने की जिम्मेदारी भी सीजीएमएससी को दी गई है। अब सिम्स प्रबंधन ने सभी आवश्यक मशीनों का इस्टीमेट तैयार कर लिया है। इसे सीजीएमएससी को सौंप दिया गया है।

मशीन खरीदने में दो से तीन महीने का समय लगेगा। इधर भवन निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है। शासन स्तर पर निर्देश है कि एक साल में इसका निर्माण पूरा कर लिया जाए। आने वाले दो से तीन महीने के भीतर 200 करोड़ की लागत से बने सिम्स सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल को शुरू कर दिया जाएगा। इसी परिसर में बन रहे स्टेट कैंसर यूनिट भी शुरू होने पर बिलासपुर में सभी प्रकार की गंभीर बीमारियों का इलाज हो पाएगा।

ये चिकित्सकीय सुविधाएं मिलेंगी

स्टेट कैंसर यूनिट के भवन निर्माण में 34 करोड़ 50 लाख र्स्पये खर्च किए जाएंगे। वहीं, 80 करोड़ 70 लाख र्स्पये से चिकित्सकीय उपकरण दूसरे संसाधन जुटाने हैं। यूनिट में सभी प्रकार की कीमोथिरेपी में टार्गेटेड, इम्यूनो, मालिकुलर, मेटरोनोमिक सुविधा निश्शुल्क मिलेगी। यहां अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी मशीन से इलाज किया जाएगा। दो लीनियर एक्सीलरेटर, कोबाल्ट ब्रेकीथेरेपी यूनिट, पीईटी स्कैन मशीन, सीटी सिमुलेटर, एमआरआइ मशीन और कैंसर अनुसंधान के लिए सभी अत्याधुनिक साधन उपलब्ध रहेंगं। स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, मुख एवं गले का कैंसर, फेफड़े का कैंसर, बड़ी आंत एवं गुदा का कैंसर, पेट के कैंसर, यकृत, पित्त की थैली के कैंसर, हड्डी के कैंसर, ब्लड कैंसर का इलाज एक ही छत के नीचे हो सकेगा। स्टेट कैंसर यूनिट का निर्माण शुरू कर दिया गया है। मशीन के लिए 35 करोड़ का इस्टीमेट तैयार किया गया है। इसे सीजीएमएससी को सौंप दिया गया है। जल्द ही मशीन खरीदने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

पूजा-अर्चना कर नपा अध्यक्ष ने दबाया स्विच, नए बोरवेल से मिलने लगा पानी

मुंगेली/नवप्रदेश। पेयजल समस्या से ग्रसित एन्ड्रूज वार्ड के डिलवापारा में नगर पालिका अध्यक्ष हेमेन्द्र गोस्वामी ने बोर खुदाई कराकर पूजा-अर्चना कर स्विच दबाकर वार्डवासियों को पेयजल उपलब्ध कराया।

गर्मी में पेयजल की समस्या को समझते हुए नगर पालिका अध्यक्ष हेमेंद्र गोस्वामी ने पानी के पहुंच विहिन स्थानों में नागरिकों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। वार्ड के नागरिकों ने अपनी समस्याएं नगर पालिका अध्यक्ष से अवगत कराते हुए समस्या का शीघ्र समाधान की मांग की। नगर पालिका अध्यक्ष हेमेंद्र गोस्वामी ने पेयजल की समस्या को गंभीरता से लिया और एन्ड्रूज वार्ड के डिलवा पारा में जो कि सतह से काफी ऊँचाई पर स्थित है। जहां पुराने स्त्रोत से पेयजल नहीं पहुंच पा रहा था। वहां नया बोर की खुदाई कर पंप लग गया है। अध्यक्ष श्री गोस्वामी ने बोर की पूजा-अर्चना कर पम्प चलाकर लोगों को पेयजल उपलब्ध कराया। बोर खुद जाने से आस-पास के चारों ओर के घरों को नीचे होने के कारण सुगमता से पेयजल उपलब्ध हो जायेगा।

ठीक हो चुके कोरोना मरीजों का पीछा नहीं छोड़ रहीं पोस्ट कोविड समस्याएं

◗ फिर से सिम्स के पोस्ट कोविड ओपीडी में पहुंच रहे मरीज

बिलासपुर/नवप्रदेश। कोरोना संक्रमण से ठीक हो चुके लोगों की पोस्ट कोविड समस्याएं पीछा ही नहीं छोड़ रही हैं। कोई मोटापा का शिकार हो रहा है तो किसी को भूलने की शिकायत है। इस तरह के कई मामले सिम्स के पोस्ट कोविड ओपीडी में देखने को मिल रहे हैं। जिले में अब तक 75 हजार से ज्यादा लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 1,328 की मौत हुई है। इनके अलावा अन्य ने कोरोना वायरस को हराया है। लेकिन ठीक होने के बाद इन्हें कई तरह की शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई मरीज ऐसे हैं जो सालभर पहले ही कोरोना से ठीक हो चुके हैं। लेकिन इसके बाद इनका शरीर पहले जैसा नहीं रह गया। लगातार अलग अलग तरह की शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

ऐसे में सिम्स के पोस्ट कोविड ओपीडी में ऐसे ठीक हो चुके मरीज पहुंच रहे हैं। ज्यादातर को चिड़चिड़ापन के अलावा शारारिक कमजोरी, हाथ पैर में दर्द आदि समस्या का सामना करना पड़ रहा है। हर दिन पांच से 10 लोग सिम्स के पोस्ट कोविड ओपीडी में पहुंच रहे हैं। जो फिर से अपनी शारारिक समस्या का उपचार करा रहे हैं। साफहै कि अब ठीक हो चुके मरीजों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बढ़ते पोस्ट कोविड समस्या को देखते हुए सिम्स प्रबंधन ने कोविड ओपीडी में पहुंचने वाले मरीजों का अच्छे से इलाज करने के निर्देश दिए हैं, ताकि उनकी सारी समस्याएं दूर हो सकें। साथ ही कहा गया है कि मानसिक परेशानी झेल रहे लोगों की सही तरीके से काउंसिलिंग कर इलाज किया जाए।

इस तरह की हो रही समस्या

चिड़चिड़ापन, भूलने की समस्या, बार बाद बुखार आना, शरीर का कमजोर होना, भूख न लगना, हाथ पैर में दर्द, मानसिक परेशानी, नींद न आना, नींद में बढ़बढ़ाना, आंखों के सामने धुंधला दिखना, मती भ्रम होना, गुस्सा आना आदि समस्याएं प्रमुख हैं।

केशकाल विधायक घर-घर जाकर लोगों से कर रहे मुलाकात, सुन रहे समस्याएं

केशकाल/नवप्रदेश। केशकाल विधायक एवं बस्तर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष संतराम नेताम इन दिनों समूचे विधानसभा क्षेत्र का दौरा कर घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुन रहे हैं। साथ ही राज्य शासन की समस्त महत्वकांक्षी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। इसी क्रम में इन दिनों विधायक संतराम विगत एक सप्ताह से फरसगांव विकासखंड के विभिन्न गांव में सघन जनसंपर्क कर लोगों से रूबरू हो कर उनकी मांगों और समस्याओं का निराकरण कर रहे हैं। बता दें कि विधायक संतराम नेताम इन दिनों ग्राम लंजोड़ा स्थित छात्रावास में युवाओं एवं अपने कार्यकर्ताओं के साथ ठहरे है। इस दौरान वह अपने और अपने कार्यकर्ताओं के लिए स्वयं नाश्ता एवं भोजन बनाते हुए भी नजर आ रहे हैं। वहीं सुबह के समय ग्रामीण बच्चों के साथ फुटबॉल व्हालीबाल समेत अन्य खेलों में शामिल होकर बच्चों का उत्साहवर्धन करते हैं। कड़कड़ाती धूप में गांव में घूम-घूम कर लोगों से रूबरू हो रहे हैं।

केला, पपीता, मिर्च, हल्दी, टमाटर की फसलें भी लगाएं, मुनाफा कमाएं

मुंगेली/नवप्रदेश। प्रदेश के संसदीय कार्य, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, पशुधन विकास, मछली पालन, जल संसाधन एवं आयाकट मंत्री रविन्द्र चैबे ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर उनके काम-काज की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले में विकास की असीम संभावनाएं है। यहां की जलवायु, मिट्टी, पानी तथा मानव श्रम यहां के विकास के लिए अनुकूल है। इस हेतु उन्होनें जिले के समुचित विकास के लिए व्यापक और विस्तृत कार्य योजना बनाने के निर्देश दिये। इस अवसर पर मुंगेली विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुन्नूलाल मोहले, शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष रामकुमार पटेल, लोरमी विधानसभा क्षेत्र के विधायक धर्मजीत सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लेखनी सोनू चन्द्राकर, नगर पालिका अध्यक्ष हेमेन्द्र गोस्वामी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष संजीत बनर्जी, छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति प्राधिकरण के सदस्य सुश्री रत्नावली कौशल, कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, विशेष सचिव कृषि अयाज फकीर भाई तम्बोली, कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक चन्द्रमोहन सिंह, संचालक कृषि यशवंत कुमार, उद्यानिकी विभाग के संचालक मातेश्वरम, मत्स्य विभाग के संचालक नारायण सिंह, पशु पालन विभाग के संचालक श्रीमति संजय चंदन त्रिपाठी, कृषि विभाग के उपसचिव श्रीमति तुलिका प्रजापति, जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता अजय सोमावार, अधीक्षण अभियंता पी आनंद, वनमण्डलाधिकारी गणेश राजन, अपर कलेक्टर तीर्थराज अग्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डीएस राजपूत सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

गौठानों को मल्टीएक्टिविटी सेंटर के रूप में किया जा रहा विकसित-

कृषि मंत्री श्री चैबे ने कहा कि राज्य शासन द्वारा कृषि को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। इस हेतु किसानों के लिए डबल लॉक और सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद और बीज की भण्डारण किया गया है। उन्होने किसानों को भण्डारित खाद बीज का वितरण यथा शीघ्र करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि धान के अलावा केला, पपीता, मिर्च, हल्दी, टमाटर जैसे अन्य उद्यानिकी फसलों से अधिक आय प्राप्त होती है। इस हेतु उन्होनें किसानों को उद्यानिकी फसल लेने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने विकासखण्डवार जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित करने, किसानों को उद्यानिकी फसलों के संबंध में प्रशिक्षित करने के साथ शासकीय योजनाओं की जानकारी देने और जिले में स्थापित नर्सरी में क्षमता के अनुरूप पौध विकसित करने के निर्देश दिये। बैठक में मंत्री श्री चौबे ने शासन की महत्वाकांक्षी गोधन न्याय योजना के तहत जिले के सक्रिय गौठानों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि गौठानों को मल्टीएक्टिविटी सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है।

निधन-विपनेश सिंह

मुंगेली/नवप्रदेश। कन्नौजिया क्षत्रिय समाज के पूर्व अध्यक्ष विपनेश सिंह परिहार का निधन 12 जून को सुबह 5 बजे बजे हो गया। वे पिछले कुछ वर्षों से अस्वस्थ चल रहे थे। वे नलिनेश सिंह परिहार, रत्नेश सिंह परिहार के बड़े भाई और शुभम सिंह और आकाश वत्स सिंह के पिता थे। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गये। उनका अंतिम संस्कार उनके गृहगाम झगरहट्टा में किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सामाजिक जन एवं नागरिक उपस्थित थे।

101 हितग्राहियों को बांटा 3 करोड़ 9 लाख का ऋण

◗ विधायक व नपा अध्यक्ष ने दिए चेक

◗ 13 बैंकों के अधिकारी हुए शामिल

मुंगेली/नवप्रदेश। क्रेडिट आउटरीच के तहत जिले में ऋण मेले का आयोजन कर 101 हितग्राहियों को 3 करोड़ 9 लाख रुपए का ऋण वितरण किया गया। लीड बैंक प्रबंधक ने बताया कि जिले के लिए रिकार्ड 34 करोड़ ऋण वितरित किया जाना है। मेले में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए, जिनमें महिलाओं की उपस्थिति रही। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत लीड बैंक द्वारा मॉ वैष्णवी मंगलम सभा गृह में क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम के तहत जिले में ऋण मेले का आयोजन किया गया। मेले में मुख्य अतिथि विधायक पून्नुलाल मोहले एवं नगर पालिका अध्यक्ष हेमेन्द्र गोस्वामी द्वारा 101 हितग्राहियों को 3 करोड़ 9 लाख रुपए का ऋण वितरण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हेमेन्द्र गोस्वामी में बैंक अधिकारियों से कहा कि हितग्राहियों को ऋण के संबध मे पूरी जानकारी दें कि ऋण कितना है। किश्त कब और कितना पटाना है। उन्होंने हितग्राहियों से अपील की शासन की योजनाओं का लाभ लेते हुए ऋण समय पर पटाकर अपना विकास करें। विधायक पून्नूलाल मोहले ने कार्यक्रम को संबंधित करते हुए कहा कि इस वर्ष स्व सहायता समूहों को शासन द्वारा बैंक के द्वारा रिकार्ड लोन 34 करोड़ दिया जाना है। उन्होंने महिलाओं से अपील की शासन की योजना को लाभ लेते हुए स्वयं विकास कर देश के विकास के योगदान करें। ऋण मेले में 45 डिग्री तापमान के बावजूद बड़ी संख्या में 200 हितग्राहियों के साथ 30 स्व सहायता समूह की महिलाए शामिल हुए। कार्यक्रम के आरंभ में लीड बैंक प्रबंधक पीसी मिश्रा ने उपस्थित अतिथियों के साथ हितग्राहियों को वेलकम किया। इस अवसर पर एसबीआई से अमित कुमार, बैक ऑफ बड़ौदा के दीपेश देवांगन, बैंक ऑफ इंडिया के रूपेन्द्र कुमार, आईसीसीआई बैंक से शैलेन्द्र कुमार, केनरा बैंक से जावेद मेमन सहित 13 बैंको के अधिकारीगण शामिल हुए। मेले में केसीसी, प्रधानमंत्री रोजगार गारंटी, महिला स्व सहायता समूह अंत्यावसायी योजना के तहत स्वीकृत ऋण के चेक व डाकूमेन्ट मुख्य अतिथि पुन्नूलाल मोहले व अध्यक्ष हेमेन्द्र गोस्वामी द्वारा वितरित किया गया। आभार प्रदर्शन करते हुए पीसी मिश्रा ने बताया कि देश के 75 जिलों में क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें जिले में रिकार्ड 34 करोड़ रुपए का ऋण वितरण किया जाना है। इस अवसर पर राहुल कुर्रे, नितेश भारद्वाज, साधु सिंह ठाकुर, श्रीनिवास ठाकुर के साथ बैंक के अधिकारी व हितग्राही मौजूद थे।

जन सहयोग संगठन ने चलाया दूध नदी में स्वच्छता अभियान

◗ मानसून के पहले नदी को स्वच्छ रखने लिया संकल्प

कांकेर/नवप्रदेश। शहर के मध्य से बहने वाली नगर की जीवनदायिनी दूध नदी प्रशासन तथा जनता दोनों की उपेक्षा के कारण आज बहुत बुरी हालत में पहुच गई है। जिस नदी के पानी से घरों में दाल पकाई जाती थी। दूध नदी अब जंगल में तब्दील हो चुका है। इसके अलावा शहर के गंदे पानी का निकासी सीधे नदी में होने से नदी पूरी तरह प्रदूषित हो गई है। दूध नदी की ऐसी हालत से उसे निजात दिलाने के लिए जनसहयोग समाज सेवी संस्था ने संकल्प लिया है और पहले भी दूध नदी बचाओ अभियान चलाया था इसके लिए साइकिल यात्रा भी 2019 में की गई थी, जिसमें संस्था के सदस्यों के साथ साथ शहर के गणमान्य नागरिकों तथा शासकीय कर्मचारियों, अधिकारियों ने भी भाग लिया था। आज मानसून पूर्व की स्थिति में नदी की सफाई हेतु एक बार फिर जन सहयोग संस्था सामने आई और उसके अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के नेतृत्व में सदस्य बड़े सवेरे ही पूरे जोर-शोर से सफाई अभियान में भिड़ गए तथा 15 से 20 ट्राली के लगभग कचरा नदी से निकाल बाहर किया और आगे भी ऐसा करते रहेंगे, यह वक्तव्य अध्यक्ष ने दिया। नदी के किनारे से आने जाने वाले अनेक लोगों ने यह नजारा देखा, तो कई लोग सहायता के लिए उतर पड़े, जिन्हें अध्यक्ष ने धन्यवाद दिया। आज सहयोग देने वाले समाजसेवियों में अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी तथा संरक्षक नरेंद्र भाई दवे के अलावा बल्लू राम यादव , प्रवीण गुप्ता, प्रमोद सिंह ठाकुर ,राजेश चौहान, करण नेताम ,भूपेंद्र यादव ,शैलेंद्र देहारी, दिनेश मोटवानी, आशीष दुबे, महेंद्र मंडावी, घनश्याम कोर्राम, सीताराम कोर्राम , जग्गू मोटवानी आदि तो थे ही, एक पुराने साथी संत कुमार रजक भी अपनी लंबी बीमारी से स्वस्थ होकर वापस समाज सेवा हेतु आकर श्रमदान करने लगे, जिसकी लोगों ने बड़ी तारीफ की। कांकेर शहर में आज चर्चा है कि यदि दूध नदी से सारा कचरा निकाल दिया जाए तो वह फिर से जीवनदायिनी बन सकती है और भयंकर बाढ़ आने का संकट भी कम हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि स्टाप डेम में कचरा और झाड़ियां आकर फँस जाती हैं, जिसके कारण बाढ़ का पानी फैल कर शहर में ,खासकर नेशनल हाईवे में तबाही मचा देता है। शासन भी इस दिशा में रिटेनिंग वॉल आदि कार्य कर रहा है किंतु प्रगति बहुत धीमी लगती है। आशा है ,मानसून की निकटता को ध्यान में रखते हुए शासन भी अपने प्रयास तेज करेगा और जन सहयोग संस्था तो हमेशा सहयोग देने को तैयार रहती ही है । इस तरह से दूध नदी का उद्धार हो सकता है और विनाशकारी बाढ़ की आशंका कम हो सकती है।

राहुल गांधी के समर्थन में बीजापुर में कांग्रेसियों का मौन प्रदर्शन

बीजापुर/नवप्रदेश। जिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर द्वारा सोमवार को जिला मुख्यालय बीजापुर में राहुल गांधी के खिलाफ भाजपाई षड्यंत्र के विरोध में सुबह 11 बजे से मुंह में काली पट्टी बांध कर मौन धरना दिया गया। धरना प्रदर्शन में आबकारी एवं उद्योग मंत्री कवासी लखमा, बस्तर विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष व क्षेत्रीय विधायक विक्रम मण्डावी, विधानसभा प्रभारी रुक्मणि कर्मा, राजकुमार तामो, जिपं अध्यक्ष शंकर कुडियम, जिला कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष लालू राठौर, कृषक कल्याण बोर्ड उपाध्यक्ष बसंत राव ताटी, बस्तर विकास प्राधिकरण सदस्या व जिला पंचायत सदस्या श्रीमती नीना रावतिया उद्दे,जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश कारम,के साथ जिला कांग्रेस कमेटी,ब्लाक कांग्रेस कमेटी,सेवादल,युवक कांग्रेस,महिला कांग्रेस, एनएसयूआई,जिला पंचायत,नगरपालिका,नगर पंचायत जनपद पंचायत सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधि रहे मौजूद।

आवापल्ली में लगेगी बाबा साहब की प्रतिमा, हुआ भूमि पूजन

बीजापुर/नवप्रदेश। आवापल्ली में डॉ.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की स्थापना होगी। प्रदेश सचिव युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष जिला पंचायत बीजापुर कमलेश कारम ने बाबा साहब की प्रतिमा स्थापना करने हेतु भूमि पूजन किया। अंबेडकर की 131 वी जयंती जब आवापल्ली में मनाई जा रही थी तब कमलेश कारम ने अंबेडकर की प्रतिमा स्थापना करने की घोषणा की थी। कारम ने कहा आज उन्होंने वादा पूरा किया। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुकलू पुनेम, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रत्ना सोढ़ी, राजेश वासम, नागेश सोढ़ी ,परीक्षित केजी, वीरेंद्र वासम, समाज प्रमुख-किस्टैया लिंगम, बाबूराव झाड़ी, रूद्र प्रताप झाड़ी, मल्लैया दुर्गम, अनिल झाड़ी, नारायण झाड़ी, जगदीश झाड़ी,यशवंत केजी, कमलदास झाड़ी, दुर्गम रत्नम, सचिव शंकर बुरका एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

18 जून तक जमा करें आवेदन

मुंगेली/नवप्रदेश। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय दाऊपारा में विभिन्न कक्षाओं में रिक्त सीट कक्षा 2री में 1, 5वीं में 1, 8वीं में 1, कक्षा 11वीं जीव विज्ञान में 12, गणित में 34 एवं वाणिज्य में 39 एवं कक्षा 12वीं जीव विज्ञान में 5, गणित में 19 एवं वाणिज्य में 6 पर प्रवेश हेतु ऑफलाईन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इच्छुक विद्यार्थी कार्यालयीन समय 10 बजे से 4 बजे तक कार्यालय से पंजीकृत आवेदन प्राप्त कर 18 जून को सायं 4 बजे तक आवेदन जमा कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। 20 जून को पात्र,अपात्र सूची प्रकाशन पश्चात 21 जून को दावा आपत्ति निराकरण के बाद 22 जून को पात्रता सूची के आधार पर प्रवेश के लिए लॉटरी से चयन किया जाएगा।

2 एनीकट तथा नदी के किनारे पिचिंग की मांग

मुंगेली/नवप्रदेश। आगर नदी में सौंदर्यीकरण के संदर्भ में नगर पालिका अध्यक्ष हेमेंद्र गोस्वामी ने प्रदेश के संसदीय कार्य, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, पशुधन विकास, मछली पालन, जल संसाधन एवं आयाकट मंत्री रविन्द्र चौबे को नगर में 2 एनीकट तथा नदी के किनारे पिचिंग की मांग की गई। नगर पालिका अध्यक्ष हेमेंद्र गोस्वामी ने आगर नदी के सौंदर्यीकरण के संबंध में ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में बताया गया कि नगर के मध्य में बहने वाली जीवनदायिनी आगर नदी सूखने के कगार पर पहुंच रही है। नदी का मेंटनेंस व रखरखाव न होने की वजह से पानी की कमी हो गई है। नदी में पानी की उपलब्धता हेतु नगर में दो स्टाप डेम की आवश्यकता है। नगर के मध्य में पुराने पुल के पास लगभग 250 फीट की लंबी रिटर्निंग वाल की आवश्यकता है।

बाल श्रम निषेध के लिए 20 जून तक चलेगा जागरूकता अभियान

बीजापुर/नवप्रदेश। जिले में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर कलेक्टर राजेंद्र कुमार कटारा के निर्देशानुसार बाल श्रम निषेध दिवस का आयोजन कर जिले में बाल श्रम सड़क पर रहने वाले बच्चे एवं भिक्षावृत्ति में लिप्त ऐसे बच्चों का चिन्हांकन कर उन्हें स्कूल से जोड़े जाने हेतु निर्देशित किया गया है। इस पर महिला एवं बाल विकास विभाग व श्रम विभाग पुलिस विभाग, नगरीय निकाय विभाग की संयुक्त टीम ने बाल श्रम निषेध दिवस पर शहर के न्यू बस स्टैंड दुकान होटल ढाबा में जाकर निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान किशोर न्याय अधिनियम श्रम निषेध अधिनियम सहित जन जागरूकता संबंधित पंपलेट एवं प्रचार-प्रसार सामग्री भी बांटी। इस दौरान यह भी देखा जा रहा है कि श्रमिकों अथवा नौकरों के रूप में बच्चों को नियोजन कर काम तो नहीं लिया जा रहा है। बाल मजदूरी के खिलाफ जागरूक करते हुए 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को काम में नहीं रखने, होटल एवं ढाबा घरेलू कामगारों ईट भट्ठा निर्माण कार्य, घर निर्माण कार्य, गैरेज में काम कराना संबंधी कराए जाने वाले लोगों पर बाल एवं किशोर श्रम निषेध प्रतिषेध एवं विनियमन अधिनियम 1986 संशोधित अधिनियम 2016 के अंतर्गत 6 माह से 3 वर्ष तक का कारावास या 20000 से 50000 तक का जुर्माना या दोनों से दंडित करने का प्रावधान है। इस हेतु जिला बाल संरक्षण अधिकारी राहुल कौशिक, श्रम निरीक्षक सोपान कर्णवार, गणेश्वर झाड़ी गैर संस्थागत संरक्षण अधिकारी, आनंदमई मल्लिक विधिक सह परिवीक्षा अधिकारी, मुकेश बघेल श्रम कल्याण अधिकारी, प्रांजल पटेल श्रम कल्याण अधिकारी, मनोज जायसवाल राजस्व उप निरीक्षक, संदीप चिडेम, राजू कश्यप, सत्या लाटकर द्वारा जिला के विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण कर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

सभी मठ मंदिरों में मनाया गया निर्जला एकादशी का व्रत

जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी रायपुर में स्थित दूधाधारी मठ तथा इससे संबंधित जैतुसाव मठ, शिवरीनारायण मठ, राजीव लोचन मठ राजिम सहित सभी मठ मंदिरों में निर्जला एकादशी का व्रत श्रद्धा भक्ति पूर्वक मनाया गया। प्रत्येक वर्ष के जेष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को निर्जला एकादशी के रूप में मनाया जाता है। इसे भीमसेनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है, इस दिन भगवान विष्णु की विशेष पूजा अर्चना की जाती है। व्रत को धारण करने वाले श्रद्धालु भक्तों को उनकी मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। निर्जला एकादशी के महत्व के संदर्भ में श्री दूधाधारी मठ पीठाधीश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने कहा कि -वर्ष के बारह महीने में कुल चौबीस एकादशी होते हैं। इनमें से प्रत्येक एकादशी का अपना-अपना महत्व है किंतु निर्जला एकादशी का अपना एक अलग ही विशेष महत्व है कारण कि जो साधक भक्तजन यदि किसी कारणवश वर्ष के अन्य एकादशी के व्रत का पालन ना कर सके हों और यदि उन्होंने केवल निर्जला एकादशी के व्रत का नियम पूर्वक पालन कर लिया हो तो उन्हें सभी एकादशी के फल की प्राप्ति इस निर्जला एकादशी से होती है, ऐसा शास्त्रीय विधान है। द्वादशी को ब्राह्मणों को दान करना पुण्य वर्धक माना गया है। उल्लेखनीय है कि दूधाधारी मठ रायपुर, श्री शिवरीनारायण मठ सहित सभी मठ मंदिरों में संत महात्माओं ने अनवरत भजन पूजन करके निर्जला एकादशी का व्रत धारण किया है।

प्रतिभावान स्टूडेंट का हुआ सम्मान निर्धन छात्राओं को लिया गोद

पामगढ़/नवप्रदेश। वगत 22 वर्षों से मईनिका माई शिक्षण समिति पामगढ़ द्वारा संचालित विद्या निकेतन स्कूल एवम ड्रीमलैंड पब्लिक स्कूल पामगढ़ में 10 जून को प्रतिभावान छात्र छात्रा सम्मान समारोह ,एवं निर्धन छात्रा गोद ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि विधायक ,श्रीमती इंदू बंजारे, विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र शुक्ला विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी पामगढ़ अजय दिव्य, सोना राम यादव रिटायर्ड, शिक्षक महामाया स्कूल पामगढ़, केवी यादव रिटायर्ड फौजी, एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे । इस अवसर पर विधायक ने बच्चों को शिक्षित करने खासकर बेटियों को शिक्षित और सशक्त बनने पर जोर दिया। विधायक ने संस्था की तरफसे 60 विद्यार्थियों को जिनके 80 प्रतिशत से ऊपर अंक हैं उन्हें मोमेंटो पदक और सटिर्फिकेट से सम्मानित किया गया। सभी विद्यार्थी अपने पालको के साथ आये थे सभी ने इस आयोजन की जमकर सराहना की। इस अवसर पर राजेन्द्र शुक्ला ने बच्चों को और अधिक मेहनत करने को कहा। इस अवसर पर 5 निर्धन कन्याओं को संस्था द्वारा गोद लिया गया। कार्यक्रम में विद्या निकेतन एवं ड्रीमलैंड पब्लिक स्कूल के सभी कर्मचारियों ने अपना सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन निषेध तिवारी और सुरेंद्र पटेल ने किया। संचालक नरेंद्र पाण्डेय ने आभार मानते हुए सभी बच्चों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विद्या निकेतन प्राचार्य मीरे सर ड्रीमलैंड एच् ओ डी अखिल शुक्ला सहित सभी स्टाफ उपस्थित था।

राहुल साहू के स्वास्थ्य को लेकर जिपं सदस्य ने की पूजा

मुंगेली/नवप्रदेश। ग्राम खेड़ा में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शीलू साहू के द्वारा जांजगीर जिले के मालखरौदा थाना के ग्राम पिहरीद में 12 वर्षीय बालक राहुल साहू के सकुशल बाहर आने के लिए मां महामाया मंदिर खेड़ा में पूजा अर्चना किया गया। जिसमे प्रमुख रूप से आराधना तिवारी, सुशीला पांडे, राखी, अनिता, पुष्पा अन्य उपस्थित रहे। साथ में संकट नाशक गणेशजी का पाठ किया और राहुल साहू के जल्द कुशलपूर्वक बाहर निकलने की कामना की। बालक राहुल साहू पिछले 30 घंटे से ज्यादा समय से बोर के गड्ढे में फंसा हुआ है जिसे निकालने शासन प्रशासन लगातार मेहनत कर रहे हैं।

किसानों को खाद नहीं मिलने से शिवसेना ने जताई चिंता

कांकेर / भानूप्रतापपुर/नवप्रदेश छत्तीसगढ़ में किसानों को सही समय पर खाद बीज नहीं मिल पा रहा है जिससे किसान परेशान और चिंतित हैं। प्रदेश में खाद बीज की समस्या का ठीकरा राज्य सरकार केंद्र सरकार पर डाल रही है और केंद्र सरकार खाद बीज की समस्या को राज्य सरकार की लापरवाही बता रही है। केंद्र एवं राज्य की कोई भी सरकार किसानों को खाद बीज की समस्या को दूर कर नहीं पा रही है। छत्तीसगढ़ में खेती के समय खाद बीज की समस्या को लेकर शिवसेना पार्टी चिंतित है। खाद बीज उपलब्ध कराने की मांग को लेकर शिवसेना द्वारा पूरे छत्तीसगढ़ में जन आंदोलन प्रारंभ किया गया है। शिवसेना कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदेश के सहकारी समितियों में जाकर किसानों से मुलाकात कर किसानों को तत्काल समुचित मात्रा में खाद बीज उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है। शिवसेना ने भानूप्रतापपुर सहकारी समिति में पहुंचकर किसानों की खाद बीज की समस्या को जाना। किसानों ने बताया कि सोसायटी द्वारा सही समय पर समुचित मात्रा में आज भी उपलब्ध नहीं कराया जा रहा हैं।अगर किसानों को सही समय पर सभी प्रकार के खाद बीज उपलब्ध नहीं हो पाएगा तो किसान खेती मेंपिछड़ जाएगा। शिवसेना कार्यकर्ताओं ने सोसाइटी में प्रदर्शन करते हुए खाद बीज समुचित मात्रा में सही समय पर उपलब्ध कराने की राज्य सरकार से मांग की है।

नंदनी बघेल ने पैरा से बनाए भगवान के,महापुरुषों के चित्र

जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। प्रोडक्ट योजना के तहत शुक्रवार को जांजगीर नैला रेलवे स्टेशन में नेशनल आर्टिस्ट हस्तशिल्प पैरा प्रदर्शनी लगाई गई थी। प्रदर्शनी में नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत सुकली निवासी नंदनी बघेल पिता आनंदराम बघेल द्वारा पैरा से निर्मित भगवान का चित्र, महापुरुषों का चित्र, पशु पक्षियों का चित्र, बैल, मवेशी, हाथी एवं अन्य विभिन्न जंगली जानवरों के पैरों से बनाए गए चित्र का मुख्य स्टेशन मास्टर जांजगीर नैला विद्या विनय कुमार एवं चांपा रेलवे स्टेशन के मुख्य वाणिज्य निरीक्षक विजय कुमार कोरी के द्वारा निरीक्षण किया गया। साथ ही साथ रेलवे स्टेशन जाने आने वाले रेल यात्रियों द्वारा भी बनाए गए सुंदर कलाकृतियों को जाकर देखा गया। इस दौरान बड़ी संख्या में रेल यात्री भी उपस्थित रहे।

हल्की बारिश से मिली गर्मी में राहत

मुंगेली/नवप्रदेश। नौतपा के बाद से शहर सहित जिले में पड़ रही भीषण गर्मी से शनिवार को थोड़ी राहत मिली। मौसम का मिजाज बदलने से दिन भर बादलों की लुका-छिपी चलती रही। शाम को तेज हवा के साथ हुई हल्की बारिश ने पूरे क्षेत्र को भिगो दिया। अचानक हुई बारिश से लोग एक ओर जहां पर जगह मिली वहीं पर रूक गये। मानसून के पूर्व हुई बारिश के बाद मानसून के आगमन को लेकर किसान फसल लेने की तैयारी में जुट गये हैं। मानूसन की आमद से पहले बदले सिस्टम का असर दिखना शुरू हो गया है। दोपहर में आसमान में बादल छाए रहे। बारिश पश्चात उमस की स्थिति बन गई। उमस ने लोगों को परेशान किया। जिले में पिछले एक सप्ताह से पड़ रही गर्मी से लोग हलाकान हो गये है। आज शाम को बदली के बाद अचानक हुई बारिश से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई और दिन का अधिकतम तापमान 45 डिग्री दर्ज किया गया। हालांकि बारिश से वातावरण में उमस बढ़ गई, लेकिन झुलसा देने वाली गर्मी के आगे यह राहत भरी महसूस हुई। गर्म हवाओं के प्रभाव से पूरा जिला बीते 9 दिनों से झुलस रहा है। अनुकूल स्थिति बनने से कुछ दिनों पूर्व प्री-मानसूनी बारिश की उम्मीद लगाई जा रही थी। आज शाम को 15 मिनट तक अचानक हुई बारिश से जनजीवन भी प्रभावित हुआ। जो जहां पर था वहीं पर रूकना पड़ा। किसान मानसून पूर्व बारिश मानकर कृषि कार्य के लिए फसल बीज की तैयारी कर रखे हुए है। आज हुई बारिश के बाद इसके अगले दो दिनों तक मानसून के और आगे बढ़ने की उम्मीद है। इससे प्री-मानसून बारिश हो सकती है, जिससे तापमान में कमी आएगी। अधिकतम तापमान हर दिन 45 से 46 डिग्री के आसपास ही ठहरा रहा। इतनी गर्मी तो नौतपा में नहीं पड़ी थी।

छत्तीसगढ़ी कहानी घर के न घाट के का हुआ प्रसारण

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला के वरिष्ठ कवि लेखक डॉ. अजीज रफीक की छत्तीसगढ़ी कहानी घर के न घाट के का प्रसारण 14 जून शाम 5 बजे आकाशवाणी की छत्तीसगढ़ी पत्रिका भूईयां के बोली के अंतर्गत किया जा रहा है।

विद्याचरण शुक्ल को दी श्रद्धांजलि

कांकेर/नवप्रदेश। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा 11 जून को पूर्व केंद्रीय मंत्री पं. विद्याचरण शुक्ल की पुण्यतिथि पर विधायक निवास कांकेर में श्रद्धांजली दी गई। कांकेर विधायक एवं संसदीय सचिव शिशुपाल शोरी ने कहा कि पं. विद्याचरण शुक्ल का देश की राजनीति के साथ साथ छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण सहित क्षेत्र के चहुंमुखी विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने अंतिम समय तक जनसेवा की। उनके कार्यों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका हम सब के बीच से जाना कांग्रेस परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। इस दौरान युवा कांग्रेस के नेता प्रकाश सिंह ठाकुर के दुखद निधन पर कांग्रेसियों ने 2 मिनट का मौन धारण कर संवेदना व्यक्त की। कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुभद्रा सलाम, महामंत्री सुनील गोस्वामी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हेमनारायण गजबल्ला, ब्लॉक अध्यक्ष रोमनाथ जैन, पार्षद नरेश बिछिया, लक्ष्मण पुरी गोस्वामी, गफ्फार मेमन, गोमती सलाम, यमुना सिन्हा, दिलीप नाग,अमित साहू, अमन गायकवाड़ सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल हुए।

26 जून तक चलेगा नशे से आजादी का पखवाड़ा

रामानुजगंज/नवप्रदेश बलरामपुर पुलिस के द्वारा जिले में नशा मुक्ति अभियान के तहत 12 जून से 26 जून तक मनाया जा रहा है जिसके तहत रामानुजगंज थाना प्रभारी सुषमा सिंह के नेतृत्व में थाना अंतर्गत विभिन्न साप्ताहिक बाजार में जाकर लोगों को नशा से होने वाले दुष्प्रभाव के संबंध में जागरूक किया जा रहा है एवं नशाखोरी से दूर रहने की सलाह दी जा रही है। थाना प्रभारी सुषमा सिंह ने कहा कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर हम लोग थाना अंतर्गत गांव गांव में जाकर विभिन्न साप्ताहिक बाजार में लोगों को नशा के दुष्प्रभावों से अवगत करा रहे हैं। साथ ही साथ नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने की भी समझाइस दे रहे हैं। साप्ताहिक बाजार में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सुषमा सिंह ने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है और इस बुराई से लड़ने के लिए समाज के सभी लोगों को एकजुट होना होगा तभी हम इस अभिशाप को जड़ से खत्म कर सकते हैं नशा शरीर के लिए जहां खतरनाक है वही अपराध का भी मुख्य कारण है। इस दौरान एसआई मनोज सिंह सहित पुलिस के अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

उड़ान की दी गई जानकारी

बलरामपुर पुलिस द्वारा सूबेदार उप निरीक्षक प्लांटून कमांडर भर्ती की तैयारी हेतु निशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है ताकि बलरामपुर जिले के वनांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों के अभ्यर्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें इसकी भी जानकारी थाना प्रभारी सुषमा सिंह के द्वारा विभिन्न साप्ताहिक बाजार में ग्रामीणों को दी। श्रीमती सिंह ने बताया कि जो भी अभ्यर्थी निशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं वह थाने में आकर 20 जून तक अपना रजिस्ट्रेशन फ्री में करा सकते हैं।

आबकारी अधिनियम के तहत 6 लोगों पर हुई कार्रवाई

रामानुजगंज साप्ताहिक बाजार के दिन शराब पीकर घूमते कुलदीप राम पिता विजय राम(30) वार्ड क्रमांक 13 रामानुजगंज, पप्पू कुमार गोड़ पिता रत्तू गोड़(26) बलीगढ़ थाना रमकंडा जोगेंद्र मरकाम पिता सुग्रीव मरकाम(21) भीतियाही, सुरेंद्र गोड़ पिता गायत्री गोड़ बलीगढ़ थाना रमकंडा राजेश्वर बैरागी पिता बसिया(35) जशपुर नगर के विरुद्ध शराब पीकर घूमने पर 36(च)1 आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

विश्व रक्तदाता दिवस पर स्वास्थ्य विभाग करेगा रक्तदाताओं और संस्थाओं का सम्मान

रायपुर/नवप्रदेश। रक्तदान महादान है रक्तदान करने से कमजोरी नहीं आती है। और एक रक्तदान से चार लोगों कि जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। इसलिए प्रत्येक वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस विशेष दिवस पर स्वैच्छिक रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं एवं संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही रक्तदान अभियान में सामूहिक सहभागिता का आग्रह भी लोगों से किया जाएगा।

इस वर्ष "Donating blood is an act of solidarity. Join the effort and save lives" (रक्तदान करना एकजुटता का कार्य है। प्रयास में शामिल हों और जीवन बचाएं) थीम के साथ दिवस मनाया जाएगा। यह स्वैच्छिक रक्तदान कर जीवन बचाने के साथ-साथ समुदाय में एकजुटता लाने का प्रयास भी होगा। अतिरिक्त परियोजना निदेशक राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी डॉ. एस.के. बिंझवार ने बताया: रक्तदान करना सुरक्षित है और व्यक्ति का जीवन इससे बचाया जा सकता है। एक रक्तदान से चार जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। इसलिए रक्तदान को प्रोत्साहित करने और लोगों को जागरूक करने का प्रयास जारी है। इसी उद्देश्य से विश्व रक्तदाता दिवस के मौके पर रक्तदाता सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस दौरान राज्यभर के रक्तदाताओं, युवा रक्तदाताओं, रक्तदान करने वाले परिवारों और रक्तदान कराने वाली सामाजिक, सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही साथ मानवता की सेवा के लिए अधिक से अधिक रक्तदान करने के लिए लोगों से आह्वान भी किया जाएगा।

रक्त की जरूरत- डॉ. बिंझवार ने बताया

राज्य की कुल जनसंख्या 2.55 करोड़ के आधार पर 2.55 लाख यूनिट रक्त की आवश्यकता प्रतिवर्ष जरूरत पड़ती है यानि जनसंख्या के एक प्रतिशत की। रक्त की आवश्यकता की पूर्ति राज्य के कुल 115 ब्लड बैंकों (32 शासकीय और 83 गैर शासकीय ब्लड बैंक) के माध्यम से की जा रही है। वर्ष 2021-22 (अप्रैल 2021 से मई 2022) तक में ब्लड बैंकों द्वारा कुल 1,87,727 यूनिट रक्त संग्रहण किया गया। कोविड-19 महामारी की वजह से बीते वर्षों में रक्तदान कम हुआ था जिसके लिए स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि जितनी रक्त की जरूरत है उसकी पूर्ति की जा सकेगी।

रक्तदान महादान कर बचाएं लोगों की जिंदगी

पूरा परिवार करता है रक्तदान

रक्तदान की भ्रांतियों को दूर करने के लिए अब तक 118 बार रक्तदान कर चुके पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर एवं एचओडी पैथोलॉजी डिपार्टमेंट डॉ. अरविंद नेरल ने बताया हर दिन दर्जनों ऐसे मरीज अस्पताल पहुंचते हैं, जिनमें खून की कमी और जिन्हें खून की जरूरत होती है। रक्तदान कर ऐसे में लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। युवा पीढ़ी के मन से रक्तदान को लेकर डर और भ्रांतियों को खत्म करना और उन्हें रक्तदान के लिए प्रेरित करना ही मेरा मकसद है, मरते दम तक लोगों को प्रोत्साहित करता रहूंगा।÷ डॉ. नेरल के परिवार में उनकी पत्नी 26 बार रक्तदान कर चुकी हैं। उनके 26 वर्षीय पुत्र ने 16 बार तथा 30 वर्षीय पुत्री ने 25 बार रक्तदान किया है।

इसलिए मनाया जाता है दिवस- दिवस कार्ल लैंडस्टीनर के जन्मदिन के अवसर पर मनाया जाता है। कार्ल लैंडस्टीनर का जन्म 14 जून 1868 को हुआ था। उन्होंने 1900 में ब्लड रक्त समूह की खोज की थी। वह एक ऑस्ट्रियाई जीवविज्ञानी और चिकित्सक थे, जिन्हें चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

रक्तदान सुरक्षित है इसलिए करते हैं रक्तदान

रायपुर निवासी विनय नारायण पंचभाई जिन्होंने अब तक 162 बार रक्तदान किया है, ने बताया पहले मुझे रक्तदान की जानकारी नहीं थी। वर्ष 1979 में जब मैं अपने दोस्त को देखने अस्पताल पहुंचा तब वहां 2 साल की बच्ची जिंदगी और मौत से संघर्ष करती दिखी। मुझे परिजनों से जानकारी मिली की उन्हें बच्ची की जिंदगी के लिए रक्त की जरूरत है, मैंने फौरन डॉक्टरों से बात की और मेरा ब्लड ग्रुप चेक कर मुझे रक्तदान करने की अनुमति मिली। रक्तदान करने से कमजोरी नहीं आती यह सुरक्षित है। किसी जरूरतमंद व्यक्ति को रक्त देकर उसकी जिंदगी बचाई जा सकती है, इसकी जानकारी मिली तो मैंने ठाना की मुझसे जितना हो सकेगा, मैं रक्तदान करूंगा और यह प्रक्रिया अब तक जारी है।

समय से उचित परामर्श मिलने पर खुद की जान लेने का बदला विचार

ऑनलाइन दोस्ती में मानसिक रूप से हुआ प्रताड़ित

रायपुर/नवप्रदेश। युवा वर्ग में ऑनलाइन दोस्ती करने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। कई बार लोगों को इसका खामियाजा भी भुगतना पड़ता है। अक्सर लोग सोशल साइट्स पर अनजान व्यक्तियों से दोस्ती कर अपनी निजी जानकारी तक साझा कर देते है जिसका उपयोग साइबर अपराधी अपने फायदे के लिए करते हैं। इस तरह के अपराध में गिरफ्त व्यक्ति समाज में बदनामी के डर से आत्महत्या तक करने के बारे में भी सोचने लग जाते है।

ऐसा ही कुछ दुर्ग में रहने वाले 32-वर्षीय आशीष (बदला हुआ नाम) के साथ हुआ जिन्होंने बीते दिनों सोशल साइट फेसबुक पर अनजान युवती का फ्रेंड रिक्वेस्ट आया जिसे वह किसी परिचित का नाम समझकर उन्होंने एक्सेप्ट कर लिया।

''कुछ दिनों तक सामान्य बातचीत के बाद एक दिन मेरे नम्बर में आपत्तिजनक मैसेज आया, उसके कुछ देर बाद वीडियो कॉल से अश्लील वीडियो किया गया। थोड़ी देर बाद व्हाट्सएप पर 20,000 रुपये की मांग करते हुए मेरी आपत्तिजनक वीडियो भेजी गई। रुपये नही देने पर सामने वाले व्यक्ति ने उस वीडियो को फेसबुक, यूट्यूब और अन्य सोशल साइट्स पर अपलोड करने की धमकी दी। नम्बर ब्लॉक करने पर अलग-अलग नम्बर से मैसेज कर पैसे की मांग की गई ऐसा नही करने पर सोशल मीडिया के माध्यम से छवि धूमिल करने की बात भी कही गई। कई दिनों तक हुई ब्लैकमेलिंग से मानसिक रूप से प्रताड़ित होने के बाद आत्महत्या करने जैसे विचार मन मे आने लगे थे,'' आशीष ने बताया।

मानसिक अस्वस्थता के कारण आशीष ने आत्महत्या से बचाव के प्रति जागरूक करने वाले सहयोगी को अपनी सारी स्थिति बताई, उनके द्वारा मिले उचित परामर्श ने आत्महत्या करने से बचाया। उन्होंने फिर पुलिस से सहायता भी ली।

कुछ दिन पहले उन्हें 'आत्महत्या रोकथाम परामर्श' के लिये जारी किए गए नम्बर 94252 42707 पर आशीष का कॉल आया, शुरुआत में हिचकिचाहट के साथ उसने अपनी समस्या विस्तार से बताई। तदुपरान्त, 'टॉक थेरेपी' आत्मघाती विचारों का आकलन करने का एक प्रभावी तरीका अपनाते हुए आशीष के अवसाद के स्थिति की जानकारी ली और प्रश्नों को सावधानी, चिंता और करुणा के साथ पूछा गया। इस तकनीक से आशीष के उदासी को कम करके यह आश्वासन दिया गया कि अगर कभी ऐसे विचार आये तो अपना ध्यान किसी अन्य जगह पर केंद्रित करें। इसके बाद आशीष को साइबर अपराध सम्बन्धी सलाह के लिये साइबर विशेषज्ञ का नंबर देकर पुलिस सहायता के लिये मदद की गई।

फेसबुक व अन्य सोशल मीडिया में अपना मोबाइल नंबर न डालें। अपरिचित व्यक्ति से वीडियो कॉलिंग कभी न करें। यदि कोई व्यक्ति ब्लैकमेल करे तो अपना सोशल अकाउंट तुरन्त बन्द करे या पुलिस सहायता केंद्र में अपनी शिकायत दर्ज करें।

जनजातीय परंपराओं, संस्कृति, बोली-भाषा को सहेजने और उस पर हमें गर्व करने की है जरूरत : राज्यपाल उइके

■ राज्यपाल कवर्धा में आयोजित बैगा-आदिवासी महासम्मेलन कार्यक्रम में शामिल हुई

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके आज कबीरधाम जिले के पीजी कॉलेज ऑडोटिरियम में आयोजित बैगा-आदिवासी महासम्मेलन कार्यक्रम में शामिल हुई। राज्यपाल सह अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर तथा नागा बैगा और नागा बैगीन के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। राज्यपाल सुश्री उइके ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज के नागरिकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया।

राज्यपाल श्री सुश्री उइके ने बैगा आदिवासी समाज को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा आदिवासी समाज हमेशा से ही प्रकृति से जुड़ा रहा है। उनकी परंपराओं, धार्मिक आयोजन, लोक नृत्य, संस्कृति में प्रकृति का प्रभाव है। आधुनिक समाज के लिए प्रकृति सिर्फ पर्यावरण है और प्रकृति पर विजय प्राप्त करके ही वे अपने पुरूषार्थ को साबित करते हैं, जबकि जनजातीय समुदाय के लिए प्रकृति पूजनीय है। वे स्वयं को उसका अभिन्न अंग मानते हैं। जनजातीय समुदाय को अपनी परंपराओं, संस्कृति, बोली-भाषा को सहेजने और उस पर गर्व करने की भी जरूरत है। आज की युवा पीढ़ी को भी समुदाय के पारंपरिक ज्ञान को हस्तांतरित किया जाना चाहिए। बैगा आदिवासी समाज का आदिवासी परंपरा-संस्कृति में विशेष योगदान है। यह समुदाय पीढ़ी दर पीढ़ी अपने विशेष परंपरागत जड़ी-बूटी के ज्ञान का उपयोग कर जनजातीय समाज को लाभान्वित कर रहा है। राज्यपाल ने बैगा आदिवासी समाज द्वारा की गई मांगों पर सार्थक विचार करते हुए पूरा करने का आश्वासन भी दिया।

राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि बैगा हमारे राज्य के 7 विशेष पिछड़ी जनजातियों में से एक है। जब हम जनजातीय समुदायों के विकास की बात करते हैं तो निश्चित रूप से विशेष पिछड़ी जनजातियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सरकार द्वारा जनजातियों के उत्थान के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। विकास अभिकरणों का भी गठन किया गया है।

इसके बावजूद आज भी इन जनजातियों को शिक्षा, स्वास्थ्य तथा मूलभूत जरूरतों की शत-प्रतिशत् उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि बैगा जनजातिय जनसंख्या का अधिकांश हिस्सा आज भी निरक्षर है। आंकड़ों के अनुसार बैगाओं में महिलाओं की संख्या पुरूषों से अधिक है लेकिन मात्र 25 प्रतिशत महिलाएं ही साक्षर हो पाई हैं, जो इस जनजाति के पिछड़े होने के कारणों में से एक है। इसलिए हमें इस दिशा में गंभीरता से प्रयास किये जाने की आवश्यकता है। अशिक्षा के कारण भी यह समाज अपने संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों के प्रति सजग नहीं हो पा रहे हैं। इन्हें शिक्षित कर जागरूकता के माध्यम से ही इनका जीवन स्तर सुधारा जा सकता है।

राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि छत्तीसगढ़ में उन्नीस जिले अनुसूचित क्षेत्र के अंतर्गत आते है। इन क्षेत्रों में पेसा कानुन का प्रावधान किया गया है।

ब्रेन ट्यूमर के बढ़ रहे रोगी, प्रारंभिक लक्षणों पर त्वरित ध्यान दें

■ एम्स के न्यूरोसर्जरी विभाग की दूसरी सिम्पोजियम में विशेषज्ञों के व्याख्यान

रायपुर/नवप्रदेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के न्यूरोसर्जरी विभाग में ब्रेन ट्यूमर के रोगियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। गंभीर रोगियों की संख्या बढ़ने पर चिकित्सकों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि यदि समय रहते ब्रेन ट्यूमर की पहचान कर ली जाए तो रोगियों को त्वरित उपचार प्रदान कर पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है। एम्स रायपुर में इसके लिए सभी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। एम्स में प्रतिमाह लगभग तीन दर्जन ब्रेन ट्यूमर की सर्जरी की जा रही हैं।

ब्रेन ट्यूमर पर आयोजित दूसरी सिम्पोजियम का उद्घाटन करते हुए निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने कहा कि ब्रेन ट्यूमर की सर्जरी के लिए कई विभागों को साथ मिलकर कार्य करना होता है। यह एक कठिन प्रक्रिया है परंतु एम्स रायपुर का न्यूरोसर्जरी विभाग प्रतिमाह तीन दर्जन से अधिक इस प्रकार की सर्जरी कर रोगियों को राहत प्रदान कर रहा है। पिछले कई वर्षों से इस प्रकार के रोगियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। अब इसके कारण और निवारण पर शोध और अनुसंधान की आवश्यकता है।

उन्होंने रोगियों को ब्रेन ट्यूमर की अत्याधुनिक चिकित्सा भविष्य में भी उपलब्ध कराने का संकल्प व्यक्त किया।

विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार शर्मा का कहना था कि यदि ब्रेन ट्यूमर के प्रारंभिक लक्षणों पर ध्यान दिया जाए तो इसका जल्द उपचार और निवारण संभव है। उन्होंने बताया कि शुरूआत में ब्रेन ट्यूमर के रोगियों को सिरदर्द, सिजर, उल्टी, देखने में समस्या, हाथ या पैर का धीरे-धीरे सुन्न पड़ना या गतिविधि में दिक्कत, संतुलन बनाए रखने में दिक्कत, सुनने और बोलने में कठिनाई जैसी चुनौतियां आती हैं। ऐसे में समय पर उपचार प्रारंभ कर ब्रेन ट्यूमर की सर्जरी करवाई जा सकती है।

सिम्पोजियम में देशभर के 100 से अधिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। एम्स के प्रो. नरेंद्र कुबेर बोधे, डॉ. सिद्धार्थ नंदा, डॉ. मुदालशा रविना, डॉ. यशवंत कश्यप, डॉ. रश्मि दुबे और डॉ. चरणदीप सिंह गंढोक ने अपनी विशेषज्ञ प्रस्तुतियां दी।

रायपुर गॉट टेलेंट प्रतियोगिता में हंशवी कश्यप बनी विजेता

रायपुर/नवप्रदेश। मेग्नेटो मॉल में रायपुर गॉट टेलेंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जहां प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया एवं अपने हूनर का प्रदर्शन किया। जिसमें डासिंग, सिंगिंग, प्लेयिंग म्यूजिकल इंस्टूमेंट सहित किड्स फैशन भी शामिल था एवं प्रतिभागियों की उम्र 5 से 16 वर्ष थी। उम्र 5 केटेगरी में हंशवी कश्यप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। हंशवी ने अपने जीत का श्रेय अपनी डांस टीचर हिना पिंजानी को दिया है। इस आयोजन में हंशवी कश्यप, मन्नत केशवानी, मीशिका, नायरा जैन, तेजल साहू, प्रत्युश राठे, सहज, स्वाति जैन आदि हिस्सा लिया।

राज्यपाल उइके ने भोरमदेव में पूजा अर्चना कर खुशहाली की कामना की

रायपुर/नवप्रदेश। आज राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके बैगा सम्मेलन में शामिल होने कवर्धा पहुंची। सम्मेलन से पूर्व राज्यपाल सुश्री उइके ने भोरमदेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ के दर्शन किए। राज्यपाल ने भगवान शिव के दर्शन और पूजा-अर्चना कर देश एवं प्रदेश की खुशहाली, संपन्नता, सुख-समृद्धि और प्रगति की कामना की।

मोदी सरकार ने 8 वर्षों में धान की एमएसपी डेढ़ गुना बढ़ाई : बजाज

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 8 वर्ष पूर्ण होने पर ग्राम गातापार में आयोजित किसान चौपाल में जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक बजाज ने कहा कि मोदी सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है. उन्होंने कहा कांग्रेसनीत मनमोहन सरकार के कार्यकाल में यानी 2013-14 में धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 1310 रु था जो बढ़ कर अब 2040 रु हो गया है, इस प्रकार धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में पिछले 8 वर्षों में डेढ़ गुना से ज्यादा वृद्धि हुई है. श्री बजाज ने कहा कि मोदी सरकार ने दलहन तिलहन की खेती को बढ़ावा देने के लिए अरहर में? 300, मूंग में? 480, उड़द में? 300, मूंगफली में ? 300, सोयाबीन में? 350, सूरजमुखी में? 385 एवं तिल में? 523 की वृद्धि की है. जबकि प्रदेश सरकार दलहन तिलहन की खेती को प्रोत्साहित करने में कोई रुचि नहीं दिखा रही है. इसी प्रकार अनेक पात्र किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से वंचित रखा गया है. प्रदेश सरकार अमानक बर्मी कम्पोष्ट खाद खरीदने को बाध्य कर किसानों का आर्थिक शोषण कर रही है. उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा किसानों को ई - बाजार की सुविधा प्रदान की गई है ताकि किसान अपनी उपज का लाभकारी मूल्य प्राप्त कर सकें. श्री बजाज ने उपस्थित किसानों से मृदा योजना के अंतर्गत मिट्टी परिक्षण कराने तथा वांछित मात्रा में ही रासायनिक खाद के इस्तेमाल की सलाह दी. इस दौरान मंडल अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, सोसायटी अध्यक्ष प्रदीप शर्मा, नरेश ध्रुव, संतोष ध्रुव, दिनेश साहू, भारत यादव, टोमिन साहू, कीरति साहू, जमुना ध्रुव, सावित्री साहू, नरबदिया ध्रुव, बसंत साहू, भागबती यादव, देवकरन साहू, ललित ध्रुव, सतरुपा ध्रुव, ज्योति ध्रुव आदि उपस्थित थे।

चेम्बर भवन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी,विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि आज दिनांक 11 जून 2022 को चेम्बर कार्यालय में योग शिविर के आयोजन किया गया जिसमे योग गुरु प्रियंका उपाध्याय के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के लिए चेम्बर और संघो के प्रतिनिधियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। चेम्बर कार्यकारी महामंत्री कपिल दोशी ने बताया कि विगत एक माह से चेम्बर भवन में योग शिविर प्रत्येक शनिवार सुबह 7.15 से 8.15 बजे तक आलोक शर्मा जी के सानिध्य में आयोजित किया जा रहा है। सभी व्यापारियों में योग एवं स्वास्थ्य के प्रति नई ऊर्जा के संचार हेतु योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे चेम्बर पदाधिकारी और संघो के प्रतिनिधियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया, इसबार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को इतिहासिक बनाने के लिए आप सभी से अनुरोध है की अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष पर पधार कर इस अवसर को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाए।योग शिविर में योग गुरु प्रियंका उपाध्याय ने योग द्वारा कैसे खुद को स्वस्थ रखें कैसे मन को शांत रखें इसके बारे में जानकारी दी। शिविर में योग की शुरुआत त्राटक से की गई यह ध्यान की एक विधि है जिसमें किसी वाह्य वस्तु को टकटकी लगाकर देखा जाता है।

राज्यपाल ने पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने आज कवर्धा के सर्किट हाऊस में हरीतिमा संगठन द्वारा तैयार की गई पुस्तिका आज का बीज, कल का पेड़ का विमोचन किया। संगठन के पदाधिकारियों ने ने बताया कि यह पुस्तिका वृक्षारोपण हेतु एक जन अभियान चलाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि पर्यावरण की संरक्षण एवं संवर्धन अभियान को लेकर हरीतिमा संगठन द्वारा कवर्धा शहर तथा आसपास क्षेत्रों में पौधा लगाकर निरंतर जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत् वे अब तक लगभग चार हजार पौधे लगा चुके है। राज्यपाल ने हरीतिमा के कार्यो की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस कार्य को विस्तार देते हुए ग्रामीण क्षेत्रों तक भी ले जाना चाहिए। इस अवसर पर हरीतिमा संगठन के अजय लुनिया, संतराम थवाईत, राकेश दोषी, राजेन्द्र सिंह सलूजा एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

हरियाणा में कांग्रेस नहीं देश का लोकतंत्र हारा : कांग्रेस

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदेव साय के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि हरियाणा में भाजपा ने अपना अलोकतांत्रिक चरित्र दिखाते हुए लोकतंत्र की हत्या किया है, प्रजातंत्र का अपमान किया है और संवैधानिक मूल्यों की हत्या की है। हरियाणा में कांग्रेस के राज्यसभा प्रत्याशी अजय माकन चुनाव नहीं हारे है। हरियाणा में भारत का लोकतंत्र पराजित हुआ है और भारतीय जनता पार्टी का षड़यंत्र जीता है। देश में जब से भाजपा की सरकार बनी है, बराबर देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक संस्थाओं पर प्रहार करने का काम किया है। देश की चार राज्य सरकारों पर भाजपा ने जनमत के खिलाफ जाकर कब्जा कर लिया है। पिछले चुनाव के पहले गोवा, मणिपुर सरकारों पर भाजपा ने कब्जा किया। मध्यप्रदेश, कर्नाटका में लोकतंत्र को धता बता कर सत्ता पर कब्जा करने का भाजपाई चरित्र देश की जनता ने देखा है। भले ही भाजपा के समर्थन से कांग्रेस के खिलाफ प्रत्याशी जीत गया लेकिन इस पूरे प्रकरण में देश का लोकतंत्र हार गया।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जनता जोड़तोड़ खरीद फरोख्त जैसे अलोकतांत्रिक कामों को पसंद नहीं करती। भाजपा ने छत्तीसगढ़ में अंतागढ़ में लोकतंत्र की हत्या करने की अपनी हरकतों का परिणाम भुगत लिया है। हरियाणा में जोड़तोड़ करके जो सरकार बनाई है वहां भी अगले चुनाव में छत्तीसगढ़ भाजपा की तरह ही साफ हो जायेगी। चौटाला को जेल में डालने की धमकी से समर्थन हासिल कर सरकार चला रहे है। भाजपा ने षड्यंत्र करके हरियाणा के राज्यसभा चुनाव में भी निर्दलीय उम्मीदवार को गलत तरीके से जितवाया है। लोकतंत्र का गला घोंटकर सत्ता हासिल करने की आदी भाजपा ने हरियाणा के राज्यसभा चुनाव में भी जोड़तोड़ के साथ ही अनुचित आचरण किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदेव को इतना इतराने की बजाय छसत्तीसगढ़ में खंडहर में तब्दील हो चुकी भाजपा की चिंता करनी चाहिए।

विवेक तन्खा की प्रेस कांफ्रेस पर भाजपा का पलटवार

जब चौकीदार चोर है चिल्लाते थे तब कहां थे तनखा

रायपुर/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य विवेक तनखा की पत्रकार वार्ता पर भाजपा सांसद सुनील सोनी ने पलटवार करते हुए कहा है कि जब राहुल गांधी चौकीदार चोर है, चिल्लाते थे, तब तनखा कहां थे? कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए न कभी विपक्ष का सम्मान किया और न ही विपक्ष में रहते हुए सत्ता और प्रधानमंत्री का सम्मान करती है। सांसद सोनी ने कहा जब गांधी परिवार नेशनल हेराल्ड घोटाला कर रहा था, तब विवेक तनखा ने उसे क्यों नहीं रोका? अब गांधी परिवार को नोटिस मिला तो कांटा चुभ गया। कानून अपना काम कर रहा है। भाजपा कभी किसी का अपमान नहीं करती। कांग्रेस ने सत्ता में रहते हमेशा विपक्ष का दमन किया है। जो कांग्रेस अपने ही प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अपमान करती रही हो, उससे विपरीत विचारधारा के प्रधानमंत्री के सम्मान की अपेक्षा ही व्यर्थ है। प्रधानमंत्री देश का प्रधानमंत्री होता है, राहुल गांधी प्रधानमंत्री का सम्मान नहीं करते और उनसे उपकृत होकर विवेक तनखा मान सम्मान पर व्याख्यान दे रहे हैं। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नोटिस का जवाब दें। संवैधानिक व्यवस्था और प्रक्रिया का सम्मान करें।

ईडी का राहुल के खिलाफ समन, कांग्रेसियों ने दिया मौन धरना

मोदी सरकार राजनीतिक द्वेषवश सत्ता का कर रही दुरूपयोग-मण्डावी

कांकेर/नवप्रदेश। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को ईडी के मिले समन और पूछताछ के खिलाफ कांकेर में जिला कांग्रेस संगठन ने सोमवार सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक घड़ी चौक के पास धरना प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने अपने मुंह में काली पट्टी बांध कर मौन धरना प्रदर्शन किया तथा राष्ट्रपति के नाम जिला प्रशासन के एसडीएम धनंजय नेताम को ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि केन्द्र सरकार के द्वारा लगातार द्वेष पूर्वक प्रमुख विपक्षी दल के नेताओं के उपर केन्द्रीय जांच एजेंसियों के द्वारा कार्यवाही कराकर विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है जो कि लोकतंत्र के विरूद्ध है। केन्द्र सरकार इस प्रकार की कार्यवाही कर देश के वर्तमान परिस्थितियों से जनता का ध्यान हटाना चाहते है। धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से छ.ग. विधानसभा उपाध्यक्ष मनोज मण्डावी ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा राजनैतिक विद्वेषवश सत्ता के ताकत का दुरूपयोग करते हुए केन्द्रीय एजेन्सियों जैसे-प्रवर्तन निदेशालय, सी.बी.आई. आयकर सहित विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं के माध्यम से प्रमुख विपक्षी दल के नेताओं को डराने व दबाने का प्रयास किया जा रहा है। जिसका हम विरोध करते है।

जनता का ध्यान में भटकाने में लगी केंद्र सरकार-

जिला अध्यक्ष सुभद्रा सलाम ने कहा कि वर्तमान समय में देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी से जूझ रही है ऐसे समय में केन्द्र सरकार देश में संप्रदायिक तनाव फैलाने में जुटी हुई है और कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी को परेशान करने के लिए उनके विरूद्ध झूठा एवं अनर्गल आरोप मढ़कर जनता का ध्यान में भटकाने में लगी है पिछ्ले 8 साल केन्द्र में बैठी भाजपा सरकार सभी मुद्दों पर पूरी तरह से विफ्ल हो चुकी है । इस दौरान धरना में प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुभद्रा सलाम, पूर्व विधायक शंकर ध्रुवा, नरेश ठाकुर, बिरेश ठाकुर, हेमंत ध्रुव, नरेन्द्र यादव, हेमनारायण गजबल्ला, सुनील गोस्वामी, याशीन कराणी, तरेन्द्र भण्डारी, गोमती सलाम, रोमनाथ जैन, रोहिदास शोरी, गौतम लुंकड़, नीरा साहू, मिलाप मण्डावी, गीता भास्कर, देवेन्द्र साहू, राजेश भास्कर, नरेश बिछिया, लतीफ मेमन, आवेश मेमन, रोशन आरा, याश्मीन खान, भीखम शोरी, अजय भाषवानी, पुरूषोत्तम गजेन्द्र, रमाशंकर दर्रो, नरोत्तम पटोडी, मनोहर राठौर, इसहाक अहमद, कमला सोनी, संध्या सोनी, पुरूषोत्तम पाटिल, विजय ठाकुर, नवली मीना मण्डावी, प्रकाश द्विवेदी, राजू दुबे, रानू कमलेश सेन, सै. एजाज अली, रमेश गावडे, सोनसय कुमार भास्कर, राघवेन्द्र राजपूत, मो. कासिम, तरूण राय, विनोद साहू, शिवांकित श्रीवास्तव, चमन साहू, दिलीप नाग, शिवभान सिंह, आरूषी मिश्रा, पुष्पा सलाम, राबिया फातिमा, महेन्द्र नायक, नरसिंग तेता, सत्यार्थ करायत सहित कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल हुए।

इनामी महिला नक्सली ने किया सरेंडर

सुकमा/नवप्रदेश। एक 2 लाख की हार्डकोर इनामी महिला नक्सली ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है। मिलिट्री प्लाटून नं-04 की 2 लाख इनामी हार्डकोर नक्सली पोडियम सोमड़ी ने सुकमा एसपी सुनील शर्मा के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। सरकार की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए 10000 प्रोत्साहन राशि प्रदाय की गई है। सोमड़ी सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर 12 साल से लगातार सक्रिय रही नक्सली संगठन को छोड़ सुकमा पुलिस के पूना नारकोम अभियान से प्रभावित होकर नक्सली संगठन को त्यागकर सरकार की मुख्य धारा से जुड़ गई हैं। सुकमा एसपी सुनील शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया की सोमड़ी 2010 में नक्सली सीएनएम पद के गतिविधियों में जुड़कर कार्य करती रहीं।जिसके बाद 2015 नक्सली संगठन के मिलिट्री प्लाटून 04 की सदस्य रूप में कार्य कर रही थी। पूछताछ में सोमड़ी ने 2015 में सुकमा के पिडमेल जैसे बड़े मुठभेड़ जिसमे 07 जवान शहीद हुए थे। साथ ही 2017 में भेज्जी कोत्ताचेरू मुठभेड़ में जिसमे 12 जवान शहीद, 2017 बुरकापाल एंबुस जिसमे 25 जवान शहीद, व मिनपा मुठभेड़ जिसमे 17 जवान शहीद हुए इन सब बड़ी नक्सली वारदातो में शामिल रही हैं। वही सोमड़ी ने बीजापुर और सुकमा बॉर्डर के तर्रेम में हुए मुठभेड़ से जुड़ी कई अहम जानकारी होने की बात कहीं। जिसमे तर्रेम मुठभेड़ की एनआईए की जांच टीम सोमड़ी से पूछताछ कर घटना से जुड़े तथ्यों की कड़ियों को जोड़ने की कोशिश करेगी।

कांग्रेस का जिला स्तरीय नव संकल्प शिविर कल

कांकेर/नवप्रदेश। उदयपुर में कांग्रेस के नव संकल्प शिविर घोषणा अनुरूप प्रदेश स्तरीय नव संकल्प शिविर रायपुर में लिए गए निर्णय अनुसार जिला स्तर पर नवसंकल्प शिविर का आयोजन 15 जून को बाफना लॉन कांकेर में सुबह 10 बजे से शाम 05 बजे तक आयोजित की गई है, जिसमें एक दिवसीय कार्यशाला के माध्यम से कांग्रेस के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दी जाएगी।

जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सुनील गोस्वामी ने बताया कि जिला स्तरीय नव संकल्प शिविर आयोजन की तैयारी के लिए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुभद्रा सलाम, जिला संगठन प्रभारी पीयूष कोसरे, विधायक शिशुपाल शोरी, पूर्व मंत्री शिव नेताम, पूर्व विधायक श्यामा ध्रुवा, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमंत ध्रुव, बीरेश ठाकुर सहित अन्य नेताओं ने बैठक कर तैयारियां पूरी कर ली है, 15 जून को सुबह 10 से शाम 05 बजे तक नव संकल्प शिविर का संचालन होगा।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुभद्रा सलाम ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस से जारी निर्देश के अनुसार कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तैयार कर कांग्रेस के पदाधिकारी/ कार्यकर्ताओ की जवाबदारी तय कर प्रदेश कांग्रेस कमेटी को अवगत करा दिया गया है , नव संकल्प शिविर कार्यशाला एवं विधानसभा स्तरीय पदयात्रा का भी आयोजन किया जाना है जिसके लिए भी व्यापक रणनीति बनाकर केंद्र की मोदी सरकार एवं भाजपा को मजबूती घेरने का निर्णय लिया गया है । जिला स्तरीय नव संकल्प शिविर के माध्यम से कांग्रेस जनहित सहित संगठनात्मक ढांचा पर रोडमेप तैयार कर उसमे कार्य करने का अपने संकल्प को और मजबूत करने के लिए कार्य करेगी।

बदलाव से हो समाज का विकास, व्यर्थ खर्च लगे पाबंदी

नगरी/नवप्रदेश। कोसरिया पटेल मरार समाज सिहावा राज में पटेल समाज में कुछ कार्य में बदलाव हो और जो बदलाव लाया जा रहा है उसमें समाज के हर व्यक्ति लाभान्वित हो। फिजुल खर्च से हर परिवार बचें। इसी थीम को लेकर कोसरिया पटेल मरार समाज सिहावा राज वर्किंग कमेटी बैठक सिहावा में हुई। जिसमें समाज के संरक्षक अमरसिंह पटेल, सिहावा राज अध्यक्ष बहुर सिंह पटेल, समाज के राजा लतखोर पटेल, खुटैत नारायण सिंह पटेल द्वारा सर्व सम्मति से 6 बिन्दुओं पर चर्चा हुई।

बदलाव के प्रमुख ६ बिंदू-

1 कफन कपड़े पर मनाही कर स्वेच्छा अंशदान दिया जाये,
2 महिला को घटोदा स्थान (तालाब स्थल) पर कपड़े ना देकर घर पर स्वेच्छा राशि दिया जाये ,
3 मृत्यु भोज सादा दाल चांवल से कार्यक्रम संपन्न किया जाये,
4 किसी समाजिक बंधु के शादी कार्यक्रम में जाने पर उसे कपड़े ना देकर उनको रूपये दिया जाये
5 शादी कार्यक्रम मड़वा स्थल पर संपन्न हो,
6 सगा समाज के शादी कार्यक्रम में गिफ्ट भेंट रिवाज को पांबदी कर रूपये प्रदान भेंट किया जाये ।

सर्व सम्मति से इन बिंदुओं को किया प्रस्तावित-

कोसरिया पटेल मरार समाज सिहावा राज अध्यक्ष बहुर सिंह पटेल ने कहा कि इन बिंदुओं पर समाज के प्रमुखों द्वारा प्रस्तावित कर यह पहल हर पटेल समाजिक परिवार, व्यक्ति अमल करें। बैठक में सिहावा राज के 9 क्षेत्र से पुरूष वर्ग परिक्षेत्र पदाधिकारी, महिला परिक्षेत्र पदाधिकारी, युवा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही वही कोसरिया पटेल मरार समाज सिहावा राज संरक्षक अमरसिंह पटेल ने कहा कि वर्किंग कमेटी बैठक में सभी सामाजिक बंधु शामिल होकर छै बिन्दुओं पर ध्यान आकृष्ट कर अपने अपने विचार व्यक्त कर सर्व सम्मति से इन बिंदुओं पर प्रस्तावित किया गया है व इस मामले व नियम का अवहेलना करने पर समाजिक अपराध कायम होगा । बैठक में शामिल सचिव दिलीप पटेल, कोषाध्यक्ष डिलेशवर पटेल, उपाध्यक्ष डामे पटेल, पुरषोत्तम पटेल, सिहावा राज मिडिया प्रभारी व उपाध्यक्ष राजु पटेल,तातु पटेल, खिलावन पटेल, लकेश पटेल,अघनु राम पटेल,सेमंत पटेल, युवराज पटेल, सहित सभी क्षेत्रों से आये समाजिक बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

तीव्र गति से चल रहे वाहनों पर लगे रोक

रामानुजगंज/नवप्रदेश। नगर की सामाजिक संस्था जन चेतना कल्याण मंच के अध्यक्ष विकास दुबे ने अनुविभागीय अधिकारी रामानुजगंज को ज्ञापन सौंपते हुए कहा है कि नगर के बीच से तीव्र गति से चल रहे वाहनों रोक लगाने की आवश्यकता है। श्री दुबे ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि नगर के अंदर सड़क पर बेलगाम होकर मालवाहक छोटी गाड़ियां दौड़ रही है जिससे आए दिन नजर में दुर्घटनाएं भी हो रही है जिससे नगर के लोगों में डर का माहौल बना हुआ है समय रहते इन तीव्र गति से चल रहे वाहनों पर रोक लगाया जाए अन्यथा नगर के अंदर लोगों में दुर्घटना की आशंका लगी रहती है। श्री दुबे ने साथ ही मौखिक रूप से अनुविभागीय अधिकारी को अवगत कराया कि नगर में रात के 8:00 बजे के बाद भारी वाहनों का आवागमन चालू हो जा रहा है जिसके चलते भी दो घटनाएं की भारी आशंका है क्योंकि आजकल गर्मी का मौसम होने के वजह से चौपाटी से भारत माता चौक तक लोगों का भीड़-भाड़ बना रहता है इस कारण वर्तमान समय में रात 10:00 बजे के बाद भारी वाहनों का प्रवेश नगर में कराने का आग्रह किया उसके उसके पूर्व रिंग रोड से ही भारी वाहनों का आवागमन जारी रखने का अनुरोध किया है।

विश्व रक्तदान दिवस पर जिला अस्पताल धमतरी में रक्तदान शिविर आज

नगरी/नवप्रदेश। विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल धमतरी मे रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी शाखा धमतरी, जन कल्याण सेवा समिति धमतरी, रक्तदान ग्रुप धमतरी के सहयोग से सुबह 8 बजे से संध्या 4 बजे तक रक्तदान किया जाएगा। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के जिला संगठन डॉक्टर शैलेंद्र गुप्ता, शिवा प्रधान जन कल्याण सेवा समिति अध्यक्ष गुड्डा रजक हेमंत हिरवानी पिन्टू सर दीपक सेन ने विश्व रक्तदाता दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि जिला अस्पताल धमतरी मे नि. शुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें सभी रक्तदाता मित्र सादर आमंत्रित है।

कांग्रेस का जिला स्तरीय नव संकल्प शिविर कल

कांकेर/नवप्रदेश। उदयपुर में कांग्रेस के नव संकल्प शिविर घोषणा अनुरूप प्रदेश स्तरीय नव संकल्प शिविर रायपुर में लिए गए निर्णय अनुसार जिला स्तर पर नवसंकल्प शिविर का आयोजन 15 जून को बाफना लॉन कांकेर में सुबह 10 बजे से शाम 05 बजे तक आयोजित की गई है, जिसमें एक दिवसीय कार्यशाला के माध्यम से कांग्रेस के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दी जाएगी। जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सुनील गोस्वामी ने बताया कि जिला स्तरीय नव संकल्प शिविर आयोजन की तैयारी के लिए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुभद्रा सलाम, जिला संगठन प्रभारी पीयूष कोसरे, विधायक शिशुपाल शोरी, पूर्व मंत्री शिव नेताम, पूर्व विधायक श्यामा ध्रुवा, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमंत ध्रुव, बीरेश ठाकुर सहित अन्य नेताओं ने बैठक कर तैयारियां पूरी कर ली है, 15 जून को सुबह 10 से शाम 05 बजे तक नव संकल्प शिविर का संचालन होगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुभद्रा सलाम ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस से जारी निर्देश के अनुसार कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तैयार कर कांग्रेस के पदाधिकारी/ कार्यकर्ताओ की जवाबदारी तय कर प्रदेश कांग्रेस कमेटी को अवगत करा दिया गया है, नव संकल्प शिविर कार्यशाला एवं विधानसभा स्तरीय पदयात्रा का भी आयोजन किया जाना है जिसके लिए भी व्यापक रणनीति बनाकर केंद्र की मोदी सरकार एवं भाजपा को मजबूती घेरने का निर्णय लिया गया है।

पेंशन निवारण एवं यूडीआईडी कार्ड शिविर का किया जा रहा आयोजन

कांकेर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री बघेल का कांकेर जिले में भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजनों द्वारा अपनी समस्या संबंधी आवेदन प्रस्तुत किये गये थे। इसी प्रकार सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत पेंशन प्रदान करने के लिए भी आवेदन दिये गये थे, जिनके निराकरण के लिए कलेक्टर श्री चन्दन कुमार के निर्देशानुसार सभी विकासखण्डों में पेंशन निवारण एवं यूडीआईडी शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में चिकित्सकों की टीम द्वारा दिव्यांगजनों को चिकित्सा प्रमाण-पत्र जारी किये जा रहे हैं, साथ ही उपचार एवं अग्रिम उपचार की व्यवस्था भी की जा रही है। समाज कल्याण विभाग द्वारा सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत पेंशन तथा यूडीआईडी कार्ड हेतु दस्तावेज एकत्रित की जा रही है एवं पात्रतानुसार शिविर स्थल में सहायक अंग उपकरण, कृत्रिम अंग भी प्रदाय किये जा रहे हैं। दिव्यांगजनों में मेडिकल प्रमाण पत्र और यूडीआईडी कार्ड बनाये जाने तथा पेंशन निवारण के लिए आज अंतागढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत भैंसासुर में शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य दिलीप बघेल, जनपद सदस्य कुबेर चुरपाल, ग्राम पंचायत भैंसासुर के सरपंच चैनराम नरेटी, उप सरपंच श्रीमती राधिका धनेलिया सहित ग्रामीणजन भी मौजूद थे। शिविर में 50 आवेदन प्राप्त हुए,

इनमें 23 आवेदन अस्थि बाधित, 16 आवेदन दिव्यांग पेंशन तथा 01 आवेदन ब्लाईंड व 01 आवेदन मानसिक और 09 आवेदन वृद्धावस्था, विधवा पेंशन से संबंधित थे। उपस्थित दिव्यांगजनों का परीक्षण कर सहायक उपकरण तथा पेंशन योजना से लाभान्वित किया जायेगा।

यहां लगेगा इन तारीखों में लगेगा शिविर

इसी प्रकार दुर्गूकोंदल विकासखण्ड अंतर्गत 18 जून शनिवार को ग्राम पंचायत दुर्गूकोंदल में, 20 जून सोमवार को ग्राम पंचायत दसकसा में, 21 जून मंगलवार को ग्राम पंचायत कोड़ेकुर्से में और 22 जून बुधवार को ग्राम पंचायत कोंडे में शिविर लगाया जायेगा। भानुप्रतापपुर विकासखण्ड अंतर्गत 23 जून गुरूवार को ग्राम पंचायत साल्हे में, 24 जून शुक्रवार को ग्राम पंचायत आसुलखार में, 25 जून शनिवार को ग्राम पंचायत भोड़िया में और 27 जून सोमवार को ग्राम पंचायत सम्बलपुर में तथा कोयलीबेड़ा विकासखण्ड अंतर्गत 28 जून मंगलवार को ग्राम पंचायत कोयलीबेड़ा में, 29 जून बुधवार को ग्राम पंचयत बांदे में, 30 जून गुरूवार को ग्राम पंचायत कापसी एवं 01 जुलाई शुक्रवार को ग्राम पंचायत छोटे बेठिया में शिविर का आयोजन किया जायेगा। नरहरपुर विकासखण्ड अंतर्गत 02 जुलाई शनिवार को ग्राम पंचायत बासनवाही, 04 जुलाई सोमवार को ग्राम पंचायत जामगांव में, 05 जुलाई मंगलवार को ग्राम पंचायत ठेमा तथा 06 जुलाई बुधवार को ग्राम पंचायत अमोड़ा एवं कांकेर विकासखण्ड अंतर्गत 07 जुलाई गुरूवार को ग्राम पंचायत तुलतुली में, 08 जुलाई शुक्रवार को ग्राम पंचायत मर्दापोटी में, 09 जुलाई शनिवार को ग्राम पंचायत मोहपुर और 11 जुलाई सोमवार को ग्राम पंचायत पाण्डरवाही में पेंशन निवारण एवं यूडीआईडी कार्ड शिविर लगाया जायेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष

सामाजिक 'न्याय' की ...

चाहती है। इसी जिले के दूसरे ब्लाक कांसाबेल के गांव बागबाहर में सीधे मुख्यमंत्री राशन दुकान पहुंच गए। थोड़ी बहुत कमीबीशी के साथ सब कुछ ठीक-ठाक पाये जाने के बाद एक किसान भूपेश बघेल दूसरे किसान गौरीशंकर यादव के घर खाना खाने पहुंच गए और खाने के देशी ठाठ का बखान फिर चौपाल में ग्रामीणों से करने लगे। यह कोई दलित पर्यटन नहीं था। एक किसान से दूसरे किसान का बिना किसी लागलपेट, तामझाम का आत्मीय लगाव था। बागबाहर के पंडाल में आसपास 9-10 गांवो के लोग अलग अलग विधाओं में न्याय की उम्मीद लिए पंहुचे थे। चूंकि इस क्षेत्र से 1977 से चुनाव जीत रहे वरिष्ठ विधायक रामपुकार सिंह ने जब अपनी बात रखी और मुख्यमंत्री की किसान पृष्ठभूमि से लोगों को अवगत कराया और पूछा कि भूपेश है तो..... भीड़ से आवाज आई भरोसा है। इस चौपाल में एक महिला रेखा शर्मा भी पहुंची थी जिसके जमीन का फ ौती नामान्तरण पिछले दो साल से नहीं हो रहा था लेकिन वह मुख्यमंत्री को फिल्म नायक का हीरो बनता देखना चाहती है और सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर सीएम को फ ालो करती हैं, हालांकि उसका राजस्व रिकार्ड दुरूस्त करने के निर्देश हो गए है। सामाजिक न्याय का तकाजा यह भी है कि पवन अग्रवाल गोबर बेचकर ट्रैक्टर की किश्त पटा रहे हैं, लेकिन एक दूसरी विसंगति के चलते तीन कर्मचारियों का सस्पेंशन न केवल विधायक रामपुकार सिंह को बल्कि कलेक्टर रितेश अग्रवाल को असहज कर गया क्योंकि यह कार्रवाई किसी भाजपा नेता की शिकायत पर हो गई। पत्थलगांव मुख्यालय पर देर रात तक सामाजिक संगठनों से मुलाकात के बाद दूसरे दिन मुख्यमंत्री यह नहीं भूले कि जांजगीर के गांव में बोरवेल में फंसे बालक का रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। उन्होंने बालक के परिजनो से मोबाईल से बात की और अफसरों को दिशा निर्देश दिए। अफसरों की मीटिंग, मीडिया से बातचीत, दर्जनों मुलाकातें और जाते समय श्री खाटू श्याम मन्दिर में मत्था टेककर वापस राजधानी पहुंचे सीएम को फि र मीडिया से भेंट-मुलाकात करनी पड़ी।

राहुल से ईडी ने ...

पूरे दमखम के साथ ईडी दफ्तर आए। अफ सरों ने उनसे 50 से ज्यादा सवाल किए। इससे पहले कांग्रेस ने इस कार्रवाई का जमकर विरोध किया। सुबह से पार्टी के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली समेत देशभर में प्रदर्शन किया और स्थानीय ईडी दफ्तरों का घेराव करते हुए राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

हालात बहुत खतरनाक : गहलोत

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि मैंने सोचा कि मैं एक बार ईडी, आयकर विभाग के अधिकारियों से मिलूं। उन्होंने मुझे मिलने का समय मांगा। बाद में उन्होंने कहा कि वे खुद जयपुर आकर मुझसे मिलेंगे। ये हमारे देश की बहुमूल्य एजेंसियां हैं। ये लोग बेकार के छापे डालते रहते हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग छापा नहीं डालना चाहते हैं, लेकिन इनके ऊपर गृह मंत्रालय की तरफ से बहुत ज्यादा दबाव होता है। इन्होंने ये हालात बहुत खतरनाक बना रखे हैं। इसलिए मैंने सोचा है कि मैं खुद उन लोगों से जाकर मिलूं।

मोदी सरकार कांग्रेस से हिल गई : सुरजेवाला

कांग्रेस नेता सुरजेवाला ने कहा, राहुल गांधी के नेतृत्व में सत्य का संग्राम जारी रहेगा। आजादी की लड़ाई के दौरान अंग्रेज भी कांग्रेस की आवाज को दबा नहीं पाए, फिर यह सत्ताधारी सरकार कैसे हमारी आवाज को दबाएगी। उन्होंने मोदी सरकार को कायर बताते हुए कहा। मोदी सरकार ने कई बैरिकेटिंग और पुलिस कर्मियों को तैनात किया है। मध्य दिल्ली में अघोषित आपातकाल लगाया है। यह साबित करता है कि मोदी सरकार कांग्रेस से हिल गई है

रायपुर में ईडी ...

खुद एक बैरिकेड पर चढ़कर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। बाद में कांग्रेस नेताओं ने जिला प्रशासन के अफसर को एक ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन में ईडी की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की गई।

राहुल का रेस्क्यू : सीएम...

जाया जाएगा। इसके साथ ही ग्रीन कॉरोडिर बनाने की तैयारी की जा रही है। सीएम भूपेश बघेल ने दिल्ली से ही जांजगीर कलेक्टर को ग्रीन कॉरीडोर बनाने के निर्देश दिए।

जगदलपुर में अनिश्चितकालीन ...

विशाखापटनम रेल मंडल के डीआरएम को दी। डीआरएम अनुप सतपथी ने अनिश्चितकालीन रेल रोको आंदोलन को ध्यान में रखकर आरपीएफको कानून व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने इस संबंध की जानकारी जिला पुलिस बल को सर्व करने कहा है, ताकि स्थानीय स्तर पर कानून व्यवस्था बहाल हो सके।

कांग्रेस के प्रदर्शन पर पूर्व ...

विशाखापटनम रेल मंडल के डीआरएम को दी। डीआरएम अनुप सतपथी ने अनिश्चितकालीन रेल रोको आंदोलन को ध्यान में रखकर आरपीएफको कानून व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने इस संबंध की जानकारी जिला पुलिस बल को सर्व करने कहा है, ताकि स्थानीय स्तर पर कानून व्यवस्था बहाल हो सके।

'प्रयागराज में बुल्डोजर ...

पल के लिए भी मान लें कि निर्माण अवैध था, लेकिन करोड़ों भारतीय भी ऐसे ही रहते हैं, यह अनुमति नहीं है कि आप रविवार को एक घर को ध्वस्त कर दें जब उस घर का निवासी हिरासत में हों। यह कोई तकनीकी मुद्दा नहीं है बल्कि कानून के शासन का सवाल है।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने ये टिप्पणियां इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यह माथुर ही थे, जिन्होंने 8 मार्च, 2020, रविवार को, सीएए विरोध प्रदर्शनों में आरोपियों के शहर भर में फ्नाम और शर्मफ के पोस्टर लगाने के लखनऊ प्रशासन के विवादास्पद निर्णय पर स्वतः संज्ञान लिया था। अदालत ने माना कि सरकार के इस कदम को गैरकानूनी बताया गया और आरोपी के निजता के अधिकार का उल्लंघन किया गया।

नूपुर शर्मा को कोलकाता ...

घायल हो गए। हालांकि, पिछले दो दिनों से हिंसा का सामना कर रहे हावड़ा और मुर्शिदाबाद जिलों में रविवार को स्थिति काफी हद तक शांतिपूर्ण रही।

पूर्व मेदिनीपुर जिले में पुलिस ने राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा सदस्य शुभेंदु अधिकारी को एहतियातन हावड़ा के हिंसा प्रभावित इलाकों में जाने से रोक दिया, क्योंकि वहां सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है। पुलिस ने दावा किया कि शुभेंदु अधिकारी के दौरे से वहां कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो सकती है। वहीं, शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि वह इसके खिलाफ सोमवार को अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे।

वहीं, भाजपा से निलंबित कर दी गई प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने इस मामले में महाराष्ट्र में भिवंडी पुलिस के समक्ष पेश होने के लिए सोमवार को समय मांगा। पुलिस ने उनका बयान दर्ज करने के लिए उन्हें तलब किया था। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शर्मा को समय दे दिया गया है और वह सोमवार को भिवंडी पुलिस के समक्ष पेश नहीं होंगी।

बूस्टर डोज बेहद जरूरी...

महीने की शुरुआत से ही ट्रेंड ऊपर की ओर दिखायी दे रहा है। भारत में रविवार को कोरोना के 8582 नए केस सामने आए थे। इस समय देश में ऐक्टिव केस 44,513 हो गए हैं। टॉप साइंटिस्ट ने कहा कि कोरोना के बढ़ते ट्रेंड के पीछ कई वजहें हैं।

विश्रामपुरी को मिली महाविद्यालय की सौगात

केशकाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुरूप व क्षेत्रीय विधायक संतराम नेताम के प्रयासों से बड़ेराजपुर ब्लॉक मुख्यालय विश्रामपुरी के क्षेत्रवासियों को नवीन शासकीय महाविद्यालय की सौगात मिली है। सोमवार को नवीन महाविद्यालय के शुभारंभ हेतु आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए केशकाल विधायक एवं बस्तर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सन्तराम नेताम का मांदरी की धुन के साथ भव्य स्वागत किया गया। इसके पश्चात महाविद्यालय परिसर में विधायक एवं समस्त अतिथियों ने सरस्वती माता की पूजा अर्चना कर रिबन काट कर महाविद्यालय का शुभारंभ किया गया।

महाविद्यालय न होने के कारण कई लोग 12वीं के बाद आगे की पढ़ाई ही छोड़ देते हैं। इसलिए मैंने माननीय मुख्यमंत्री जी से मांग किया था और मुख्यमंत्री जी ने इस मांग पर मुहर भी लगा दिया था। इसके लिए मैं माननीय सीएम साहब को धन्यवाद देता हूँ। इस महाविद्यालय के खुलने से बच्चों को अन्यत्र जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, सारी सुविधाएं अब विश्रामपुरी में ही उपलब्ध होंगी। इस दौरान मुख्य रूप से राज्य योजना आयोग के सदस्य धन्नूराम मरकाम, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष सगीर अहमद कुरैशी, जनपद अध्यक्ष प्रेमशीला मण्डावी, उपाध्यक्ष श्याम साहू, सरपंच सुशीला मरकाम, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हीरालाल नेताम, केशकाल महाविद्यालय के प्राचार्य एस.डी सोनवानी समेत समस्त जनप्रतिनिधिगण व महाविद्यालय के समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मुंगेली (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 28 अ-6 (अ)/2021-22
ग्राम देवगांव तहसील व जिला मुंगेली

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका कमलेश उर्फ बेबीबाई श्रीवास निवासी ग्राम देवगांव, तहसील व जिला मुंगेली द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम देवगांव प.ह.नं. 13 तहसील मुंगेली स्थित भूमि खसरा नं. 79/6 व 188/3 रकबा क्रमशः 0.121 हे. व 0.010 हे. में काबिज होकर कास्तकारी करते चली आ रही है। बी-1 में नाम बेबीबाई श्रीवास दर्ज है, जबकि आधार कार्ड में कमलेश श्रीवास दर्ज है। आवेदिका द्वारा राजस्व रिकार्ड में नाम बेबीबाई उर्फ कमलेश दर्ज किए जाने का निवेदन किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई दावा/ आपत्ति पेश करना हो तो वे अपना दावा/ आपत्ति पत्र ईश्तहार प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 1/06/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

सील
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
मुंगेली (छ.ग.)

कार्यालय नगर पंचायत नगरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)

Email-cmonagari184@gamil.com
क्र./357/न.पं./राजस्व/2022-23
नगरी, दिनांक 10/06/2022

ईश्तहार

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री ऋणि लाल सोनी पिता लक्ष्मण लाल सोनी जाति सोनार वार्ड क्र. 06 नगर पंचायत नगरी जिला-धमतरी (छ.ग.) का निवासी है। वार्ड क्र. 06 में श्री लक्ष्मण लाल सोनी पिता गंगा प्रसाद सोनी के नाम से आबादी भूमि पर 1089 वर्गफीट भूमि/मकान स्थित है। श्री लक्ष्मण लाल सोनी के सहमतिनामा के आधार पर उक्त भूमि को भूमि स्वामी अधिकार पत्र के आधार पर छ.ग. नगर पालिका अधिनियम 1061 के उल्लेखित धारा 150 के तहत निकाय के कर संग्रहण के बाबत यदि उक्त काबिज संपत्ति पर किसी भी व्यक्ति/ संस्था हित बद्ध हो तो संबंधित हितबद्ध पक्षकार अपना दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत दिनांक 10/07/2022 तक कार्यालय नगर पंचायत नगरी के राजस्व शाखा में दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्रस्तुत दावा आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 10/06/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय के मोहर से जारी किया गया।

सील
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत नगरी

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN: U40108CT2003SGC015821
NO.021-1710/PUBLICATION/1927 Korba West, dt. 09.10.2022
(e Bidding) TENDER NOTICE No. 1154/2022.
Online tenders are invited from Experienced & Prospective Firms for the following Work/Supply:

Sl. No	Tender No. 021-10	Particulars	Quantity/ Period	Cost of tender document	E.M.D. (Rs.)	Last date of submission & opening of tender Part (I&II)
1.	Hiring/ Hosp./T-1927/2022 [illegible]	Work for Hiring of One No. Ambulance with AC of reputed Company for round the clock duty in all three shifts for HTPS, Hospital, Korba West	As Per Tender Schedule	590/-	8,925/-	01.07.2022
2.	TM-II/T-1928/2022 [illegible]	Tender work for "Dismantling and assembly of Turbine, MHP Unit No. 2 for replacement of its damaged Gear Box	As Per Tender Schedule	590/-	6,725/-	01.07.2022

NOTE: - 1. Payment of Tender cost & EMD shall be done online through e-bidding portal. The tender documents can be seen from our website www.cspc.co.in– e-Bidding.
S.-32864/1
SUPERINTENDING ENGINEER (C.B) O/o THE ADDL. CHIEF ENGINEER (SAP) HTPS, CSPGCL, KORBA WEST
BENEFIT OF SELF & NATION SAVE ENERGY FOR THE

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा, मीनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सरोरा रोड, उरला इंडस्ट्रियल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर वर्मा एग्जोटीका फ्लैट नंबर 103, सर्किट हाउस के सामने बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- प्रमोद शर्मा* प्रबंध संपादक- चन्द्रशेखर धोटे, फोन नंबर : 8120029029-9406245514, डाक पंजीयन क्रमांक G-2-112/CG/BPL/108/2020-22

हाइब्रिड खतरों से निपटने के लिए प्रशासन और सेनाओं के बीच तालमेल जरूरी: राजनाथ

नयी दिल्ली (वार्ता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाइब्रिड खतरों से निपटने के लिए नागरिक प्रशासन और सशस्त्र सेनाओं के बीच सामंजस्य तथा तालमेल को बेहद जरूरी करार देते हुए कहा है कि इसके बिना एक राष्ट्र के रूप में खतरों और चुनौतियों का जवाब देना मुश्किल है।

श्री सिंह ने सोमवार को मंसूरी में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में 28 वें संयुक्त नागरिक-सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार पुराने दृष्टिकोण को पीछे छोड़कर नयी दृष्टि से एकीकरण यानी मिलकर काम करने की दिशा में बढ रही है और इसी का परिणाम है कि समाज के हर वर्ग को विकास का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा, एक समग्र दृष्टिकोण के अभाव, और 'अकेले-अकेले' काम करने के चलते देश के सभी हिस्सों में विकास समान रूप से नहीं पहुंच पाया। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस तरह के पुराने दृष्टिकोण को हटाकर एक नई दृष्टि के साथ कार्य करने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री जी की एप्रोच है, कि 'अकेले-अकेले' में काम न करके मिलकर के साथ काम किया जाए। अब हम जिस नए एप्रोच के साथ कार्य कर रहे हैं, उसमें समाज का हर वर्ग विकास की ओर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में एकीकरण की बात और अधिक प्रासंगिक तथा आवश्यक हो जाती है। साथ ही उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा की अवधारणा अब पहले की बहुत अधिक व्यापक हो गयी है। उन्होंने कहा,

सामान्य तौर पर तो इसे सैन्य हमलों से अपनी सुरक्षा से जोड़ा जाता है, पर अब इसमें अनेक असैन्य पहलू भी जुड़ गए हैं। युद्ध और शांति दो अलग स्थिति न होकर अब 'कन्टिन्यूअम' यानी एक तरह से 'मिल' गये हैं। शांति के दौरान भी अनेक मोर्चों पर युद्ध चलते रहते हैं। इनके बीच की सीमा काफी धुंधली हो गई है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ दशकों पर नजर डालें तो पता चलता है कि बड़ी शक्तियों ने भी पूर्ण युद्ध को टालने का काम किया है और इसलिए इसकी जगह छद्म और परोक्ष युद्धों ने ले ली है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से आर्थिक दबाव को भी को भी सैन्य बल के अलावा एक प्रमुख बल के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा, साइबर और सूचना भी इसी तरह की ताकतें हैं, जो खुली आंखों के सामने भी धोखा देने की क्षमता रखती हैं। सेनाओं के आधुनिकीकरण और रक्षा क्षेत्र की आत्मनिर्भरता के लिए जो-जो कदम उठाए गए हैं उनके परिणाम हमारे सामने आने शुरू हो गए हैं।

श्री सिंह ने कहा कि अभी भारत न केवल अपने लिए सैन्य साजो सामान बना रहा है बल्कि दूसरे देशों की जरूरतों को पूरा करने के लिए भी उत्पादन बढा रहा है। उन्होंने कहा, इसी तरह ग्रे जोन टकराव से निपटने के लिए, और राष्ट्रीय सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के लिए भी हम एकीकरण की ओर आगे बढ़ रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में संयुक्त नागरिक- सैन्य कार्यक्रम के महत्व को समझा जा सकता है। अपने अनुभवों और चिंताओं को साझा करते हैं। जब तक हाइब्रिड खतरों से निपटने के लिए नागरिक प्रशासन और सशस्त्र सेनाओं के अकेले अकेले काम करने की व्यवस्था को तोड़ा नहीं जाता है, हम एक राष्ट्र के रूप में खतरों और चुनौतियों का जवाब देने के लिए पर्याप्त तैयारी की उम्मीद नहीं कर सकते हैं।

रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि इसका मतलब यह नहीं है कि वे एक दूसरे की स्वायत्ता का अतिक्रमण करें। उन्होंने कहा कि इसका अर्थ यह है कि वे आपस में इस तरह घुलें-मिलें, जैसे इंद्रधनुष के रंग मिले रहते हैं। उन्होंने कहा, यहां जब मैं सिनर्जी या सभी संस्थानों के एक साथ मिलकर आगे बढ़ने की बात कर रहा हूं, तो यह मैं बड़ी सावधानी से कह रहा हूं। संस्थानों के एक साथ मिलने का यह कतई अर्थ न हो कि वह आपस में एक दूसरे के अधिकारों का अतिक्रमण करें। मुझे पूरा विश्वास है, कि हम समन्वय के जिस पथ पर आगे बढ़ रहे हैं, वह न केवल हमारी अपनी समग्र सुरक्षा, बल्कि पूरे विश्व में शांति के एक नए दौर तक पहुँचेगा।

विधायक चंद्रकांता मेघवाल की गिरफ्तारी पर सोलह जून तक रोक

कोटा (वार्ता)। राजस्थान में कोटा की अदालत ने बूंदी जिले के केशवरायपाटन विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक चंद्रकांता मेघवाल की दर्ज मामले में गिरफ्तारी पर रोक सोलह जून तक वह बढ़ा दी है।

इससे पहले महावीर नगर थाने में दर्ज तीन मामलों में गिरफ्तारी की आशंका के मद्देनजर श्रीमती मेघवाल ने अपने वकील के जरिये नौ जून को कोटा में अनुसूचित जाति-जनजाति न्यायालय में अपनी अग्रिम जमानत के आवेदन पेश किया था जिस पर न्यायालय ने उनकी गिरफ्तारी पर 13 जून तक के लिए रोक लगाई थी। अग्रिम जमानत की अवधि समाप्त होने से पहले ही वह रविवार को महावीर नगर थाने में पुलिस के समक्ष प्रस्तुत हुई और वहां थाना प्रभारी को अपना बयान दर्ज कराया। पुलिस ने उनसे कल करीब दो घंटे तक सवाल-जवाब किये।

पुलिस ने बताया कि उनसे पूछताछ अभी बाकी है इसलिए उन्हें फिर तलब किया जा सकता है। फिलहाल वह 16 जून तक अग्रिम जमानत पर हैं। भाजपा के एक अन्य कार्यकर्ता ने भी इस मामले में अपनी अग्रिम जमानत के लिए न्यायालय में आवेदन पेश किया है जिस पर भी 16 जून को सुनवाई होगी।

उल्लेखनीय है कि करीब पांच साल पहले वर्ष 2017 में 20 फ़रवरी में महावीर नगर थाने के बाहर दुपहिया वाहन सवार लोगों के चालान बनाने के मामले को लेकर श्रीमती मेघवाल भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ विरोध दर्ज कराने थाने पहुंची थी और पुलिस की कथित मनमानी के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया था। इसी दौरान गर्मा-गर्मी होने के बाद मामला मारपीट एवं पुलिस के बल प्रयोग में बदल गया। इस मामले में पुलिस ने श्रीमती चंद्रकांता और उनके पति नरेन्द्रपाल सहित भाजपा के कार्यकर्ताओं के खिलाफ तीन मामले दर्ज कराए थे, जबकि श्रीमती चंद्रकांता की ओर से तत्कालीन थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस कर्मियों के खिलाफ मारपीट, दुर्व्यवहार करने जैसे दो मामले दर्ज कराये थे। इन सभी मामलों की सीआईडी (सीबी) ने जांच की थी जिनमें से श्रीमती चंद्रकांता मेघवाल की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमों में तो सीआईडी (सीबी) ने अंतिम रिपोर्ट (एफआर) लगा कर पुलिस को तो क्लीनचिट दे दी जबकि पुलिस की ओर से श्रीमती मेघवाल व उनके पति तथा अन्य कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज मामले को प्रमाणित मानते हुए अपनी जांच रिपोर्ट महावीर नगर थाने में सौंप दी थी।

इसी रिपोर्ट के आधार पर पिछले सप्ताह महावीर नगर थाना पुलिस ने मात्र तीन दिन की अल्पावधि में श्रीमती चंद्रकांता को थाने में तलब किया था जबकि वे उस समय राज्यसभा की चार सीटों पर चुनाव के कारण जयपुर में भाजपा की ओर से आयोजित प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए गई हुई थी और वह इस वजह से पुलिस के समक्ष उपस्थित नहीं हो पाई थी। उनकी मांग है कि मासले की सीबीआई या न्यायिक जांच कराई जाये।

किसानों के बकाया कृषि कनेक्शन जल्दी होगें: भाटी

झुंझुनू (वार्ता)। राजस्थान के ऊर्जा राज्य मंत्री भंवर सिंह भाटी ने कहा है कि प्रदेश में करीब चार लाख किसानों को बकाया कृषि कनेक्शन जल्द से जल्द जारी कर दिए जाएंगे।

एक निजी कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए बीती रात झुंझुनू आए श्री भाटी ने कहा कि किसानों को 2022 तक के लम्बित कनेक्शन मार्च 2023 तक पूरे कर दिए जाएंगे। सरकार ने यह लक्ष्य तय किया है। इससे प्रदेश के चार लाख किसानों को फायदा होगा। वहीं राजस्थान में 15 लाख कृषि कनेक्शन है। इनमें से आधे से अधिक किसानों को बिजली का बिल शून्य हो गया है।

श्री भाटी ने बताया कि मुख्यमंत्री की 2022 की बजट घोषणा के अनुरूप प्रदेश के घरेलू उपभोक्ताओं को प्रत्येक माह की 50 यूनिट फ्री बिजली दी जा रही है यानी की प्रति बिल 100 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है। जो कि एक बहुत बड़ा फैसला है। इससे प्रदेश के 36 लाख उपभोक्ताओं का बिल शून्य हो गया है। इसके अतिरिक्त उपभोग यूनिट की दरों में भी राहत दी हैं।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड: वॉन्टेड शूटर संतोष जाधव गिरफ्तार, पुणे पुलिस ने की कार्रवाई

पुणे। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या में वॉन्टेड संतोष जाधव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, आरोपी की गिरफ्तारी महाराष्ट्र में दर्ज हत्या के दूसरे मामले में हुई है जाधव, सिंगर हत्याकांड में भी वांछित आरोपी है। आरोपी के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, पुणे ग्रामीण पुलिस ने जाधव को साल 2021 में हुए एक हत्याकांड में गिरफ्तार किया है। उसके अलावा नवनाथ सूर्यवंशी नाम के आरोपी की भी गिरफ्तारी हुई है। इस सप्ताह ही पुणे पुलिस ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के कथित सदस्य सिद्धेश कांबले की गिरफ्तारी की थी।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) कुलवंत कुमार सारंगल इस मामले में सोमवार सुबह प्रेस ब्रीफिंग कर सकते हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि जाधव बीते एक साल से फरार था।

कांबले को मूसेवाला की हत्या की साजिश के बारे में पता था: जांचकर्ता

महाकाल उर्फ सिद्धेश कांबले को पता था कि पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या की जाएगी और वह (कांबले) हत्याकांड से एक हफ्ते से पहले से गैंगस्टर विक्रम बराड़ के संपर्क में था। महाराष्ट्र पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। मुंबई की अपराध शाखा ने महाकाल से बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को मिले धमकी भरे पत्र के सिलसिले में पूछताछ की है। उससे दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ और पंजाब पुलिस ने मूसेवाला हत्याकांड के संबंध में पूछताछ की है।

न्यूज गैलरी

जम्मू के अर्निया सेक्टर में बीएसएफने की घुसपैठ की कोशिश नाकाम

जम्मू (वार्ता)। जम्मू के अर्निया सेक्टर में सतर्क सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। बीएसएफ के प्रवक्ता पुलिस उपमहानिरीक्षक एसपीएस संधू ने आज कहा कि बीएसएफके सर्तक जवानों ने कल रात साढ़े नौ बजे के करीब अंतर्राष्ट्रीय सीमा अर्निया के पास संदिग्ध गतिविधियां देखी। उन्होंने कहा, बीएसएफके जवानों ने संदिग्धों लोगों को चुनौती दी, जिसके बाद उन्होंने जवानों पर गोलियां चला दीं, लेकिन बीएसएफके जवानों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए संदिग्ध लोगों को सीमापार वापस जाने पर मजबूर कर दिया। प्रवक्ता ने बताया कि आज तड़के इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया गया लेकिन अभी तक कुछ भी बरामद नहीं हुआ है। इससे पहले नौ जून को बीएसएफजवानों को जम्मू के अर्निया सेक्टर में संदिग्ध ड्रोन दिखा और उन्होंने ड्रोन को सीमा के उस पार खदेड दिया था। इससे अलावा 07 जून को पुलिस और बीएसएफने ड्रोन से जुड़े पेलोड को मार गिराया और जम्मू के कान्हाचक सेक्टर में टिफिन बॉक्स में पैक टाइमर आईईडी बरामद किया था।

बिक्रम केशहारी ओड़िसा विधानसभा के अध्यक्ष चुने गये

भुवनेश्वर (वार्ता)। बीजू जनता दल (बीजेडी) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री बिक्रम केशरी अरुखा सोमवार को ओडिशा विधानसभा के विशेष सत्र में सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गये। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने श्री अरुखा के नाम का प्रस्ताव विधानसभा अध्यक्ष के रूप में रखा जिसका संसदीय मामलों के मंत्री निरंजन पुजारी ने समर्थन किया। सदन के प्रस्ताव को पास करने के बाद विधानसभा उपाध्यक्ष रजनीकांता सिंह ने बिक्रम केशरी के अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की।

श्री पटनायक ने सभी सदस्यों को श्री अरुखा को चुनने के लिए धन्यवाद दिया और उन्हें सहयोग और समर्थन देने की अपील की। उल्लेखनीय है कि सूर्यनारायण पात्रो ने स्वास्थ्य कारणों से गत 04 जून को विधानसभा अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

नहीं रहे गोल्ड मेडलिस्ट धावक हरि चंद

होशियारपुर (वार्ता)। एशियाई खेलों में दो बार के स्वर्ण पदक विजेता और भारत के पूर्व लंबी दूरी के धावक हरी चंद का सोमवार सुबह 69 वर्ष की आयु में निधन हो गया। चंद का जन्म एक अप्रैल 1953 को होशियारपुर के घोरेवाहा गांव में हुआ था। दो बार के ओलंपियन चंद ने 1978 बैंकॉक एशियाई खेलों में पांच हज़ार मीटर और 10 हज़ार मीटर में स्वर्ण जीता था।

चंद 1976 के मॉन्ट्रियल ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के लिये प्रख्यात हैं जहां उन्होंने नंगे पांव भागते हुए 10,000 मीटर की दौड़ 28:48.72 मिनट में पूरी कर राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया था। इस दौड़ में चंद भले ही आठवें स्थान पर आये, लेकिन उनका यह रिकॉर्ड 32 साल तक कायम रहा था। मॉस्को में आयोजित 1980 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में चंद ने 10,000 मीटर दौड़ में 10वां स्थान हासिल किया था। उन्होंने पुरुषों की मैराथॉन दौड़ में भी हिस्सा लिया था जिसमें वह 2:22:08 के समय के साथ 31वें स्थान पर आये थे।

अब तक 100... कश्मीर में इस साल आतंकियों पर बड़ा ऐक्शन, 63 लश्कर आतंकी ढेर

श्रीनगर। कश्मीर में इस साल की शुरुआत से अभी तक आतंकवाद रोधी अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने 100 आतंकवादियों को मार गिराया है। इनमें से सबसे अधिक 63 आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से नाता रखते थे। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने कहा, सुरक्षा बलों ने कश्मीर में इस साल की शुरुआत से अभी तक 29 विदेशी आतंकवादियों समेत कुल 100 आतंकवादियों को मार गिराया है। यह पिछले वर्ष इस दौरान मारे गए आंतकवादियों की संख्या से दोगुना है।

मारे गए आतंकवादियों में से 63 लश्कर से जुड़े

सुरक्षा अधिकारियों ने बताया, पिछले साल पहले पांच महीनों और 12 दिन में आतंकवाद रोधी अभियानों में एक विदेशी आतंकवादी सहित 50 आतंकवादी मारे गए थे। मारे गए आतंकवादियों में से 63 आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के थे, जबकि 24 अन्य जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े थे।

आतंकियों में पुलिसकर्मियों का हत्यारा शामिल

वहीं, जम्मू-कश्मीर में हाल ही में दो पुलिसकर्मियों की हत्या में शामिल लश्कर-ए-तैयबा का आतंकवादी आदिल पर्रे रविवार को पुलिस के साथ अचानक शुरू हुई मुठभेड़ में मारा गया। इसी के साथ रविवार को जम्मू-कश्मीर में अलग-अलग मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादियों की संख्या तीन हो गई। रविवार सुबह पुलवामा मुठभेड़ में लश्कर के दो आतंकवादी मारे गए थे। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटों में तीन अलग-अलग मुठभेड़ों में कुल पांच आतंकवादी मारे गए हैं।

पैगंबर विवाद: पश्चिम बंगाल में फिर हिंसा, हजारों की भीड़ ने ट्रेन पर किया हमला

कोलकाता। भाजपा की निष्कासित नेत्री नूपुर शर्मा के बयान के बाद देश में हिंसक प्रदर्शनों का सिलसिला भी नहीं थम रहा है। पश्चिम बंगाल के हावड़ा में हिंसा के बाद रविवार को नडिया जिले में भी प्रदर्शन हिंसक हो गया। यहां नडिया जिले के बेतुआधारी रेलवे स्टेशन पर लगभग एक हजार लोगों की भीड़ ने ट्रेन पर हमला कर दिया। लोगों ने ट्रेन पर जमकर पत्थरबाजी की और तोड़फोड़ की। जिसके बाद स्टेशन से ट्रेन की सेवाओं रोक दी गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उपद्रवियों ने कुछ दुकानों को भी नुकसान पहुंचाया है।

एक अधिकारी ने बताया कि बड़ी संख्या में प्रदर्शकारी सड़क को जाम कर रहे थे। जब पुलिस ने उन्हें दौड़ाया तो उनमें से कुछ रेलवे स्टेशन में घुस गए और ट्रेन पर पत्थर फेंकने लगे। प्लेटफॉर्म पर जो ट्रेन खड़ी थी उसमें तोड़फोड़ की गई। इसके चलते लालगोला लाइन पर सेवा रुक गई है। बता दें कि पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना और मुर्शिदाबाद जिले में भी हिंसा हुई है।

एक दिन पहले हावड़ा में हिंसा हुई थी। इसके बाद मेदिनीपूरी में सियासी ड्रामा शुरू हो गया। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के लिए प्रशासन की तरफसे पत्र जारी किया गया और कहा गया कि वह हावड़ा न जाएं। वहीं अधिकारी इस बात पर अड़े थे कि हावड़ा जाना उनका अधिकार है क्योंकि वहां भाजपा के कार्यालय पर हमला किया गया है। उन्होंने पुलिस को चुनौती दी कि अगर उन्हें रोका गया तो वह कोर्ट चले जाएंगे।

राज्यसभा चुनाव: ईसी के फैसले के खिलाफहाई कोर्ट पहुंचे शिवेसना एमएलए

कहा- मेरा वोट अमान्य घोषित करना गलत

मुंबई। शिवसेना के विधायक सुहास कांदे ने चुनाव आयोग के उस फैसले के खिलाफसोमवार को बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया, जिसमें आयोग ने पिछले सप्ताह हुए राज्यसभा चुनाव में उनके वोट को अमान्य घोषित कर दिया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया था कि कांदे ने चुनाव प्रक्रिया का उल्लंघन किया है। अधिवक्ता अजिंक्य उडाने के जरिए दायर याचिका में कांदे ने कहा कि निर्वाचन आयोग के उनके वोट को अमान्य घोषित करने के फैसले से उनकी गरिमा और प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान पहुंचा है। उन्होंने अदालत से आयोग का फैसला रद्द करने का अनुरोध किया है।

उडाने ने कांदे की याचिका का उल्लेख न्यायमूर्ति एस. वी. गंगापुरवाला और न्यायमूर्ति धीरज सिंह ठाकुर की खंडपीठ के समक्ष किया और तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया। कांदे ने अपनी याचिका में दावा किया कि 10 जून को महाराष्ट्र में छह सीटों के लिए हुए राज्यसभा चुनाव के दौरान, वह चुनावी कक्ष (मुंबई में विधान भवन में) में गए और मत देने के अपने अधिकार का इस्तेमाल किया। इसके बाद नियमानुसार, बाहर आए और शिवसेना नेता व सचेतक सुनील प्रभु को मतपत्र दिखाया।''याचिकाकर्ता ने अन्य राजनीतिक दल के सचेतक को मतपत्र दिखाया? याचिका में कहा गया, ''विधायक योगेश सागर ने आरोप लगाया है कि याचिकाकर्ता ने अन्य राजनीतिक दल के सचेतक को मतपत्र दिखाया। यह सच नहीं है और याचिकाकर्ता ने अपना मतपत्र केवल सुनील प्रभु को दिखाया था न कि किसी अन्य राजनीतिक दल को।'' याचिका में कहा गया कि सागर को उस समय आपत्ति जतानी चाहिए थी, न कि कांदे के चुनावी कक्ष से चले जाने के बाद।

केंद्र के कदम पर चला हरियाणा, सरकारी कर्मचारियों को प्रमोशन में कैडर के हिसाब से मिलेगा आरक्षण

चंडीगढ़/वार्ता। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने आज यह घोषणा की कि सरकारी कर्मचारियों को प्रमोशन में केंद्र की तरह कैडर के हिसाब से आरक्षण का प्रावधान किया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री कई अन्य बड़ी घोषणाएं भी की हैं। सीएम खट्टर रविवार को रोहतक में आयोजित राज्य स्तरीय संत कबीर दास जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि सरकारी कर्मचारियों को प्रमोशन में केंद्र की तरह कैडर के हिसाब से आरक्षण का प्रावधान किया जाएगा। इसी के साथ उन्होंने अनुसूचित जाति या पिछड़े समाज के शिक्षण संस्थानों, धर्मशालाओं में एक कमरा उपलब्ध होने पर शिक्षा विभाग की तरफसे लाइब्रेरी की व्यवस्था करवाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने पिछड़े समाज की धर्मशालाओं में 5 किलोवाट का सोलर प्लांट लगाने में 75 प्रतिशत की सब्सिडी देने की भी घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एनआईटी और आईआईटी में आरक्षण की व्यवस्था के लिए भी केंद्र से बात की जाएगी। खट्टर ने कहा कि संत कबीर के जन्मस्थान बनारस की जो भी कोई यात्रा करना चाहता हो उसके लिए रेलवे का किराया दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चंडीगढ़ में उनके सरकारी आवास का नाम भी संत कबीर कुटीर किया जाएगा।

भीषण गर्मी में बूंद बूंद पानी को मोहताज 'सारस'

इटावा (वार्ता)। मौसम विभाग यूं तो अगले 72 घंटों में उत्तर प्रदेश में वर्षा होने के संकेत दे चुका है मगर पिछले कुछ दिनो से बरस रही आग और लू के थपेड़ों के बीच राज्य पक्षी का दर्जा पाए सारस चंबल के बीहड़ों में बूंद बूंद पानी का मोहताज बना हुआ है। इटावा राज्य का ऐसा जिला है जिसमें खासी तादाद में सारस पक्षी पाए जाते है। भीषण गर्मी में सारस पक्षी पानी की तलाश में झुंड की शक्ल में इधर उधर भटकते हुए देखे जा रहे है लेकिन सारस पक्षी की प्यास नही बुझ पा रही है। भरथना तहसील में ध्यानपुरा मार्ग पर राह चलते कोई भी इस बात को बखूबी देख सकता है कि बड़ी तादात में सारस के पक्षी पानी की तलाश में भटक रहे है। सारस को पानी की तलाश में भटकते हुए देखने वाले प्रत्यक्षदर्शी ग्रामीण बताते हैं कि चंद्रपुरा से नगरिया सरावा मार्ग पर ध्यान पुरा गांव के पास खेतों में पानी की तलाश में बड़ी तादाद में सारस पक्षी भटकते हुए देखे जा रहे हैं। इन सारस पक्षियों के साथ में छोटे-छोटे सारस के बच्चे भी नजर आ रहे हैं । छोटे-छोटे सारस के बच्चों की संख्या अगर सही मायने में गिनी जाए तो एक दर्जन के आसपास भी हो सकती है। स्थानीय लोग ऐसा बताते हैं कि करीब तीन किलोमीटर के दायरे में सारस के पक्षियों को गेहू काट कर छोड़ कर डाले गए खाली खेतो में देखा जा सकता है। स्थानीय लोग ऐसा बताकर के चलते हैं कि सारस के जो झुंड देखे जा रहे हैं उनमें कहीं सौ के आसपास संख्या देखी जा रही है तो कहीं 50 की संख्या देखी जा रही है तो कहीं 25 की संख्या देखी और समझी जा रही है। यह संख्या पूरी मानी जाए तो यह संख्या तीन सौ से लेकर के 500 के आसपास भी हो सकती है।

जिला वन अधिकारी अतुल कांत शुक्ला का कहना है कि पांच नदियों के संगम वाले इटावा जिले में पानी की वैसे तो कोई कमी नहीं है लेकिन जिस ढंग से इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है तो जाहिर है कहीं ना कहीं पशु पक्षियों को मुश्किलो का सामना करना पड़ रहा है लेकिन कहीं से ऐसा नहीं है कि किसी सारस को पानी मुहैया ना हो रहा हो।

अमेठी में ट्रेनी एयरक्राफ्ट की इमरजेंसी लैंडिग, पायलट सुरक्षित

अमेठी (वार्ता)। उत्तर प्रदेश में अमेठी के फुरसतगंज स्थित इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी के एक ट्रेनी एयरक्राफ्ट डायमंड 40 की सोमवार को आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी जिसके चलते विमान के अगले हिस्सा को मामूली रूप से नुकसान हुआ हालांकि प्रशिक्षु पायलट को कोई चोट नहीं आयी।

उड़ान एकेडमी के ट्रेनी पायलट अभय पटेल सिंगल इंजन डायमंड 40 एयरक्राफ्ट लेकर उड़ा ही था कि एयरक्राफ्ट में तकनीकी खराबी आने से उसकी इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। पायलट ने सूझबूझ से एयरक्राफ्ट को खेत में उतारा। हादसे में कोई हताहत नही हुआ। सूचना मिलते ही फुरसतगंज पुलिस और इंदिरा गाँधी उड़ान एकेडमी के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुँचे। उड़ान एकेडमी में अधिकारी ने बताया कि एयरक्राफ्ट में तकनीकी खराबी आने से फोर्स लैंडिंग करनी पड़ी। ट्रेनी पायलट पूरी तरह से सुरक्षित है।

जानकारी के अनुसार यह हादसा फुरसतगंज इलाके के खैराना गांव में हुआ है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी फुरसतगंज का एक ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट की खैरना गांव में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी।

मट्टीमारका में ग्रामीणों से विधायक मंडावी ने गोंडी और तेलुगू में पूछी समस्याएं

■ **5 ग्राम पंचायतों के 12 गांवों में लगी चौपाल**

भोपालपटनम/नवप्रदेश। विधायक और बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विक्रम मंडावी शनिवार को भोपालपटनम क्षेत्र के दौरे पर रहे। अपने इस दौरे में उन्होंने एक ही दिन में पांच ग्राम पंचायतों के 12 गांव नल्लमपल्ली, लिगांपुर, रायगुड़ा, कोत्तागुड़म, बारेगुड़ा, वाड़ला, मट्टूटीमरका, रेड्डीपल्ली, सकनापल्ली, दम्मूर, वरदली और तोड़ेमपारा में जन-चौपाल लगाई। मट्टीमारका में जनता से विधायक ने गोंडी और तेलगू भाषा में बातचीत करते हुए समस्याओं व मांगों के बारे में पूछा। विधायक के स्थानीय भाषा बोलने से जनता अभिभूत हुई और खुलकर अपनी समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा। महिलाओं ने तो खुशी-खुशी विधायक को घेर लिया।

इन मांगों पर मिली स्वीकृति-

ग्रामीणों की मांग पर ग्राम नलमपल्ली में नवीन स्कूल भवन, पाँच लाख की लागत से सामुदायिक भवन, ग्राम लिंगापुर में देवगुडी और पाँच मीटर का पुलिया, ग्राम रायगुड़ा में 400 मीटर स्ट्रीट लाइट और प्राथमिक शाला भवन का जीर्णोद्धार, ग्राम बारेगुड़ा में 1.5 किमी सड़क मुर्मीकरण, पाँच लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन और 22 पोल का स्ट्रीट लाइट, ग्राम वाड़ला में आँगनबाड़ी भवन, ग्राम वरदली में दो किमी सड़क मुर्मीकरण और देवगुडी बनाने की घोषणा की है। पहली बार ग्राम मट्टीमरका पहुँचे विधायक विक्रम मंडावी ने दो नग बोरिंग, तीन किमी सड़क मुर्मीकरण और देवगुडी निर्माण की तत्काल स्वीकृति दे दी। वाडला निवासी एक महिला जो कैंसर से पीड़ित है वह अपना इलाज करवाने में असमर्थ है, अब इसका इलाज सरकारी खर्च पर रायपुर में कराने की बात भी विधायक विक्रम मंडावी ने की। जनता की समस्याओं व मांगों को पूरा करने के लिए अधिकारियों को अवगत कराया और निराकरण भी कर दिया गया।

चार साल से 110 आवास प्रकरण लंबित, ग्रामीणों ने की सचिव को हटाने की मांग

ग्रामीणों ने विधायक से सचिव को तत्काल हटाने की मांग की। वहां चार साल से लगभग 110 आवास प्रकरण लंबित है। शौचालय का निर्माण करा लिया किन्तु भुगतान आज तक नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों को दो बार आवास आंवटन हुआ है। विधायक ने तत्काल सीईओ से सचिव के ऊपर कार्रवाई करने को कहा। जब सरपंच अन्नुबाई यालम से इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि मेरे विरोधी है इस कारण दोषारोपण लगा रहे हैं।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुडियम, कलेक्टर राजेंद्र कुमार कटारा, सीईओ उत्तम पंचारी, जल संसाधन के ईई एमएल टंडन, जिपं सदस्य एवं छग कृषक कल्याण बोर्ड के सदस्य बसंत राव ताटी,वरिष्ठ कांग्रेसी अल्वा मदनैया, केजी सत्यम, पार्षद अरुण वासम, शेख रज़ाक़, विज़ार खान, के अलावा बड़ी संख्या में किसान, ग्रामीण और क्षेत्र के जनप्रतिनिधि साथ थे।

पंचायत उपचुनाव : 755 पदों के लिए 1357 उम्मीदवार मैदान में

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य निर्वाचन आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2022 अंतर्गत नामनिर्देशन पत्रों की संवीक्षा के पश्चात प्रदेश के 28 जिलों में जनपद सदस्य के 06 पदों के लिए 18, सरपंच के 84 पदों के लिए 251, पंच के 454 पदों के लिए 544 अभ्यर्थियों के नाम निर्देशन पत्र वैध पाए गए। जनपद पंचायत सदस्य के 1 अभ्यर्थी, सरपंच के 2 अभ्यर्थियों और पंच के 5 अभ्यर्थियों के नामांकन निरस्त हो गए। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा के दौरान बिलासपुर जिले में जनपद पंचायत तखतपुर में सदस्य के लिए 1 अभ्यर्थी का नामांकन निरस्त किया गया। साथ ही सरपंच पद के लिए भी 1 अभ्यर्थी का नामांकन निरस्त हुआ। रायगढ़ और सूरजपुर जिले में पंच पदों के लिए 1-1 अभ्यर्थी का नामांकन निरस्त हुआ, बलौदाबाजार में सरपंच और पंच के 1-1 अभ्यर्थी का नामांकन निरस्त हुआ। दुर्ग और कबीरधाम में पंच के 1-1 अभ्यर्थी का नामांकन निरस्त हुआ।

8 के नामांकन निरस्त

755 पदों के लिए हो रहा चुनाव

बता दें कि प्रदेश के 28 जिलों में कुल 755 पदों के लिए उपचुनाव हो रहा। इनमें 7 जपं सदस्य, 118 सरपंच और 630 पंचों के लिए चुनाव हो रहा। इन पदों के लिए 28 जून को सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक वोटिंग होगा। इसी दिन मतदान के बाद मतगणना होगी, अगर जरूरत पड़ी तो 29 जून को अपरान्ह 3 बजे मतगणना के लिए समय निर्धारित है।

वन विभाग के उड़नदस्ता दल ने किया चिरान जब्त

दन्तेवाड़ा। दन्तेवाड़ा वनमण्डल अंतर्गत वनमण्डलाधिकारी दन्तेवाड़ा एवं उप वनमण्डलाधिकारी दन्तेवाड़ा के मार्गदर्शन में 12 जून 2022 को प्राप्त सूचना के आधार पर बचेली परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम चोलनार में सागौन हाथ चिरान से फर्नीचर तैयार करते हुए लगभग 01 घनमीटर जब्त किया जाकर जब्त चिरान का जब्त नामा तैयार कर नियमानुसार जब्त की कार्यवाही किया जाकर आरोपी के विरूद्ध वन अपराध प्रकरण दर्ज कर अपराध कायम किया गया है। जब्त काष्ठ को केन्द्रीय वन काष्ठागार दन्तेवाड़ा में परिवहन कराया गया है। प्राप्त सूचना के आधार पर जब्त की कार्यवाही में श्री आशुतोष मंडवा, परिक्षेत्र अधिकारी बचेली एवं वनअमले अघनश्याम भगत सहायक परिक्षेत्र अधिकारी बचेली, श्रीमती सोहाद्री ध्रुव वनपाल,कु. अनिता कुजूर, राजेश कर्मा, मनीष कर्मा, ओमप्रकाश पाण्डेय, कपूर चंद पटेल, परिसर अधिकारी एवं वनमण्डल स्तरीय उड़नदस्ता दल के कर्मचारियों के द्वारा सफलतापूर्वक जप्ती की संयुक्त कार्यवाही किया गया ।

अश्लील वीडियो बनाकर युवती से ब्लैकमेलिंग, पुलिस ने भेजा जेल

मुंगेली/नवप्रदेश। युवती का अश्लील वीडियो वायरल करने वाले आरोपी को सिटी कोतवाली पुलिस ने धारा 384, 506, 509 (ख) भादस एवं 67 आईटी एक्ट के तहत राजस्थान से गिरफ्तार किया। आरोपी युवक को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से न्यायिक रिमाण्ड पर जेल निरूद्ध कर दिया गया।जिले की एक युवती से हनुमानगढ़ राजस्थान निवासी युवक ने इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर विश्वास हासिल किया। फिर पीडिता का वीडियो कॉल के जरिये अश्लील वीडियो बनाकर पैसे की मांग करने लगा। नहीं देने पर वीडियो वायरल कर देने की धमकी देकर प्रताडित करने लगा। युवक की प्रताड़ना से त्रस्त होकर युवती ने पुलिस में शिकायत दर्ज की। जिस पर पुलिस ने धारा 384, 506, 509 (ख)

भादस एवं 67 आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक चन्द्रमोहन सिंह के मार्गदर्शन व एसडीओपी सालिक राम घृतलहरे के निर्देशन पर थाना सिटी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक केसर पराग के द्वारा टीम गठित कर टीम राजस्थान रवाना किया गया। टीम प्रभारी उप निरीक्षक आलोक सुबोध एवं हमराह स्टाफ प्रधान आरक्षक राजेश बंजारे, आरक्षक भवन मरावी द्वारा मोबाइल लोकेशन एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर राजस्थान के जोधपुर, कोटा हनुमानगढ एवं अन्य स्थानों पर पहुंचकर दबिश दिया गया। आरोपी लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था। अंततः जिला जोधपुर के रामदेव कॉलोनी में लुक छुप कर रह रहे आरोपी राजवीर मेघवाल भामी पिता मनीराम भामी उम्र 21 साल निवासी धानसिया जिला हनुमानगढ़ राजस्थान को पुलिस ने घेराबंदी कर पकडा। जिसे उक्त टीम के द्वारा हिरासत में लेकर साथ मुंगेली लाया गया। आरोपी के कब्जे से अश्लील विडियो वायरल करने में इस्तेमाल होने वाला मोबाइल जप्त किया गया है। आरोपी के द्वारा जुर्म स्वीकार करने से युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय मुंगेली में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक रिमाण्ड पर जेल निरूद्ध कर दिया गया है।

5 लाख की इनामी हार्डकोर नक्सली ने किया समर्पण

सुकमा/नवप्रदेश । सुकमा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। 5 लाख इनामी हार्डकोर नक्सली नागाराम एलओएस कमांडर के पद पर नक्सली संगठन में कार्य

कर रही विनीता ने सोमवार को सुकमा एसपी सुनील शर्मा के समक्ष समर्पण कर दिया है। बता दे की कुछ समय पूर्व में विनीता के पति मया ने भी एसीएम केरलापाल सचिव के रूप में नक्सली संगठन में कार्य कर सुकमा पुलिस के समक्ष समर्पण कर दिया था। जिसके बाद से आत्मसमर्पित नक्सली मुया अपने पत्नी और बच्चे को सुरक्षित नक्सली संगठन से बाहर निकलकर सरकार की मुख्य धारा से जोड़ना चाहता था। सुकमा एसपी सुनील शर्मा ने बताया की मूया के समर्पण के बाद से ही उसके परिवार पे नक्सलियों द्वारा अप्रिय घटना करने का अंदेशा था। सुकमा और बीजापुर की पुलिस ने मूया की पत्नी संपर्क कर पत्नी और बच्चे को सकुशल रेस्क्यू कर नक्सली संगठन से बाहर निकले में मदद की। जिसके बाद विनीता ने सुकमा पुलिस के समक्ष समर्पण कर दिया। जिसके बाद दोनो नक्सली दंपति अब एक साथ सरकार की मुख्यधारा से जुड़ कर नक्सली संगठन से जुड़ी जानकारी दे कर सुकमा को नक्सलवाद से मुक्त कराने में मदद कर रहे हैं।

सागौन लकड़ी जब्ती में मुख्य भूमिका निभाने वाले कर्मी का ट्रांसफर, सवालों के घेरे में वन विभाग

बीजापुर/नवप्रदेश। बीजापुर जिले के भोपालपटनम में उच्च कोटि की सागौन लकड़ी पाई जाती है। हाल ही कुछ महीनों पहले भोपालपटनम नगर पंचायत में संचालित लकड़ी व्यापारी जिसे बढ़ाई कहते हैं उनके पास से बड़ी मात्रा में सागौन के बने दीवान पलंग व अन्य लकड़ी के गोलो का जखीरा जब्त किया गया था। जिसमें जिले के रेंजर, डिप्टी रेंजरों व क्षेत्र के डिप्टी रेंजर के साथ ही बिट गार्ड वनरक्षक गए। पूरी कार्रवाई के दौरान जिले के वन मंडल अधिकारी सामान्य व बफर इंचार्ज अशोक पटेल छापामार कार्रवाई करते हुए लकड़ी जप्त किया था। लकड़ी जब्त करने के बाद आज तीन महीने होने को हैं लेकिन अब तक जांच ही चल रही है। एक बढ़ई पर भी कार्रवाई नहीं हुई। वही क्षेत्र के जिम्मेदार वन परिक्षेत्र अधिकारियों व डिप्टी रेंजरो

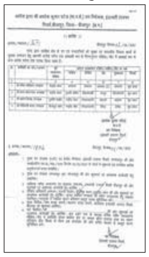

पर किसी भी तरह करवाई नहीं हुआ। अपने पदों में पहले की तरह ही बैठे हुए हैं। सूत्र कहते हैं कि जिस बीट से लकड़ी पकड़ी गई उनका ट्रांसफर समझ में आता है पर जिन्होंने सूचना दी अवैध लकड़ी होने की उनका हाल ही में ट्रांसफर आर्डर निकाल कर उन्हें तुरंत अपने वर्तमान पदस्थापना को छोड़कर नई जगह पर ज्वाइन करने का प्रेशर बनाया जा रहा है। यही नहीं ज्वाइन करने की स्थिति में एफ आईआर करने की भी धमकी दी गई है।

मुझे इनाम मिलना था पर मिला ट्रांसफर आर्डर- नाम नहीं बताने की शर्त पर मीडिया से अपनी पीड़ा का जिक्र करते हुए एक कर्मी ने हमें बताया कि उसने कुछ जगह लकड़ी होने की सूचना दी व अधिकारी के साथ पहुंचकर लकड़ी जब्त की फिर भी इस तरह कार्यवाही करना कहीं भी जायज नहीं लगती। जबकि मुख्य रूप से जो जिम्मेदार है उन पर किसी भी तरह कार्रवाई नहीं हुई। मुझे इनाम मिलना था पर ट्रांसफर आर्डर देखकर विभाग के अधिकारी ने दोहरी नीति अपनाई ताकि पहले की तरह उनकी दुकान चल सके।

हाथियों का आतंक जारी, आदिवासी मजदूर रामधन को पटक-पटक कर मार डाला

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही/नवप्रदेश। मरवाही क्षेत्र में हाथियों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। आए दिन यहां जंगली हाथियों का उत्पात देखने को मिल रहा है। जंगली हाथी फसलों, घरों के साथ साथ अब रहवासियों को भी निशान बना रहे हैं।हाथियों के हमले से अभी तक दर्जनों लोगो की जान चली गई है। अभी कुछ दिन पूर्व मटियाडाढ़ में मनरेगा मजदूर को हाथियों ने कुचल दिया था तो वही कटरा में रविवार को लगभग शाम 7 बजे पोखर से स्नान कर लौट रहे 40 वर्षीय आदिवासी मजदूर रामधन को जंगली हाथी ने पटक पटक कर उसकी जीवनलीला समाप्त कर दी। घटना के बाद ग्रामीणों द्वारा उसे अस्पताल ले जाया था जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोमवार सुबह उक्त शव का पोस्टमार्टम

पंचनामा कर परिजनों को सौंप दिया गया था। इस घटना की जानकारी मिलने पर मरवाही विधायक डॉ केके ध्रुव,जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोज गुप्ता,सांसद प्रतिनिधि राकेश मसीह कटरा पहुंचकर शोकसंतप्त परिवार से मिलकर उनका ढाढस बंधाया और तात्कालिक सहायता राशि दिलवाई। इसके साथ ही विधायक डॉ केके ध्रुव ने वनमंडलाधिकारी मरवाही से बात कर उनके उचित मुवावजे के शीघ्र भुगतान सहित परिजनों को अन्य सहायता के निर्देश भी दिए। इस घटना के बाद मरवाही विधायक डॉ केके ध्रुव ने कहा की मरवाही क्षेत्र में अब हाथियों से बचाव के स्थायी समाधान की नितांत आवश्यकता है।इसके लिए वे शीघ्र ही मुख्यमंत्री से मिलकर क्षेत्र हित में अपनी बात रखेंगे।जिससे की इन जंगली हाथियों के उत्पात से होने वाले जन व धन दोनो प्रकार की हानियों से क्षेत्र के लोगो का बचाव किया जा सके। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोज गुप्ता,सांसद प्रतिनिधि राकेश मसीह,कांग्रेस नेता चंद्रभान सिंह,कटरा के सरपंच दया राम सहित अन्य ग्रामीण जन,पुलिस व वनविभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।